Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 167
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार,16 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने 94 अधिकारियों को

4 एक भारत, श्रेष्ठ भारत का जीवंत प्रतीक है काशी-

7 आइवरी साड़ी में सज-धजकर पति रणबीर संग

गोरखनाथ मंदिर में उमड़ा भक्तों का हुजूम

सीएम योगी ने अर्पित की गुरु गोरखनाथ को आस्था की खिचड़ी

सुखमय-समृद्धमय जीवन की प्रार्थना की

गोरखपुर (एजेंसी)। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को ब्रह्म मुहूर्त में चार बजे गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार महायोगी गुरु गोरखनाथ को विधि विधान से आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाई। इस अवसर पर उन्होंने शिवावतार महायोगी से लोकमंगल तथा सभी नागरिकों के सुखमय-समृद्धमय जीवन की प्रार्थना की। महायोगी गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों, संतों और श्रद्धालुओं को मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि बुधवार से ही पूरे प्रदेश में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पवित्र धर्मस्थलों पर जाकर आस्था को नमन कर रहे हैं। गोरखपुर में बुधवार को लाखों श्रद्धालुओं ने महायोगी भगवान गोरखनाथ जी को आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाई। उन्होंने कहा कि इस पव पर लाखों श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के संगम में आस्था की पवित्र डुबकी भी लगाई। उन्होंने कहा कि यह सिलसिला लगातार आज गुरुवार को भी जारी है। योगी ने कहा कि आज गुरुवार को गोरखपुर में भगवान गोरखनाथ जी के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करने के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालुजन पंक्ति में लगकर श्रद्धापूर्वक खिचड़ी चढ़ा रहे हैं। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे भी प्रातः 4 बजे गोरखनाथ मंदिर की विशिष्ट पूजा संपन्न होने के उपरांत भगवान गोरखनाथ जी को आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाने का अवसर प्राप्त हुआ है। गोरखनाथ मंदिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालुजन आए हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मकर संक्रांति भारत के पर्व और त्योहारों की परंपरा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। वास्तव में सूर्यदेव इस जगत की आत्मा हैं। जगतपिता सूर्य की उपासना का यह पर्व, हर प्रकार के शुभ और मांगलिक कार्यों के लिए प्रशस्ति तिथि माना जाता है। आज के बाद सनातन धर्म की परंपरा में सभी मांगलिक कार्यक्रम प्रारंभ हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि सूर्य का जो अयन वृत्त है। ज्योतिषीय परंपरा के अनुसार वह 12 विभिन्न भागों में विभाजित है। एक राशि से दूसरी राशि में सूर्यदेव के संक्रमण को संक्रांति कहा जाता है और जब धनु राशि से मकर राशि में भगवान सूर्य का संक्रमण होता है तो यह मकर संक्रांति कहलाता है। मकर राशि से अगले छह माह तक यानी मिथुन राशि तक सूर्य भगवान उत्तरायण रहेंगे। उत्तरायण का जो समय होता है, उसमें दिन बड़े और रात्रि छोटी होती है। जीवंतता के लिए सूर्य का प्रकाश कितना महत्वपूर्ण है और भारत की ऋषि परंपरा ने इसे कितना महत्व दिया है, इसका अनुमान इस पर्व के माध्यम से लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति एक ऐसा पर्व है।

सीएम की अध्यक्षता में होगी कैबिनेट बैठक,

पर्यटन, स्वास्थ्य, सहित कई प्रस्तावों पर होगी चर्चा

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को मंत्रिमंडल की बैठक होगी। इसमें पर्यटन, स्वास्थ्य, शहरी विकास, शिक्षा समेत अन्य विभागों के प्रस्ताव पर चर्चा होगी। वहीं दूसरी तरफ प्रदेश में जमीन विवादों का निपटारा करने के लिए एक माह तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विवादों का शीघ्र व प्रभावी समाधान के लिए सख्त निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव प्रत्येक सप्ताह अभियान की समीक्षा करेंगे। विवादित मामलों के निपटारे के लिए एक माह का समय मुख्यमंत्री ने राज्य में भूमि संबंधी विवादों का निपटारा करने के लिए मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन व पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ को निर्देश दिए कि सभी जिलों में लंबित भूमि विवादों के समाधान के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। सभी विवादित मामलों का निपटारा एक माह की समय सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि इस अभियान के अंत तक भूमि विवाद से जुड़े लंबित मामलों को शून्य स्तर तक लाया जाए। सीएम धामी ने कहा कि भूमि विवाद आम नागरिकों की समस्याओं से सीधे जुड़े होते हैं और इनके कारण कानून व्यवस्था के साथ सामाजिक सौहार्द पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। सरकार की प्राथमिकता है कि ऐसे विवादों का पारदर्शी व न्यायसंगत समाधान हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान संवेदनशील मामलों पर विशेष ध्यान दिया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दिल्ली-एनसीआर में घना कोहरा बना आफत, दृश्यता शून्य, 20 से अधिक उड़ानें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर और देश के अन्य शहरों में घने कोहरे के कारण गुरुवार को यहां इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर 20 से अधिक उड़ानें रद्द रहीं जबकि 100 से अधिक उड़ानों में देरी की सूचना है। आईजीआई हवाई अड्डे की वेबसाइट से मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली आने वाली 11 और यहां से जाने वाली भी इतनी ही उड़ानें रद्द हैं। इसके अलावा आगमन और प्रस्थान की कुल 100 से अधिक उड़ानों में देरी की सूचना है। दिल्ली हवाई अड्डे पर रात तीन बजे के बाद दृश्यता कम होने लगी और सुबह तक घटकर 50 मीटर रह गयी। तड़के पांच बजे से ही उड़ानों का परिचालन कैट-3 की प्रकिया के तहत शुरू हो गया। इस दौरान सिर्फ कैट-3 उपकरणों से लैस विमान और इसके लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित पायलटों को ही लैंडिग और टेकऑफ की अनुमति होती है। दिल्ली के अलावा गाजियाबाद के हिंडन और चंडीगढ़ से भी कोहरे की सूचना है।

जयपुर परेड में भारतीय सेना का दिखा शौर्य, सेनाध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी ने जवानों को किया सम्मानित

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में 78वें सेना दिवस पर गुरुवार को आयोजित परेड में भारतीय सेना ने अपने शौर्य, जुनून, साहस और अजेय ताकत का प्रदर्शन किया। शहर में पहली बार सार्वजनिक रूप से आयोजित इस परेड को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। सेना की सप्त शक्ति कमान की ओर से 78वीं सेना दिवस परेड का आयोजन जगतपुरा के महल रोड पर हुआ। परेड में जयपुर सैन्य शौर्य, पराक्रम और अनुशासन का मंच बना। इस परेड में भारतीय सेना की आधुनिक सैन्य शक्ति का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। इस बार सेना दिवस की थीम श्भारतीय सेना शौर्य और बलिदान रखी गई है। खास बात यह है कि इस दौरान स्वदेशी हथियारों का कौशल दिखाया गया। परेड से पहले मिलिट्री स्टेशन पर बने प्रेरणा स्थल पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ) अनिल चौहान, थल सेना अध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी, एयर कोमोडर पुरुषोत्तम वर्मा, वाइस एडमिरल तरुण सोबती ने पुष्पगुच्छ अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

दिल्ली में 28वें सीएसपीओसी में बोले पीएम

भारत ने बनाया विविधता को लोकतंत्र की शक्ति

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत ने विविधता को अपने लोकतंत्र की ताकत बनाया है और दुनिया को

दिखाया है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और प्रक्रियाएं उसके विकास को स्थिरता, गति तथा स्तर (स्केल) प्रदान करते हैं। राष्ट्रमंडल देशों की संसद के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) का उद्घाटन करते हुए, मोदी ने यह भी कहा कि भारतीय लोकतंत्र एक बड़े पेड़ की तरह है जिसकी जड़ें गहरी हैं। उन्होंने कहा, जब भारत को आजादी मिली, तो कई लोगों को संदेह था कि देश की इतनी अधिक विविधता के बीच लोकतंत्र टिक पाएगा या नहीं। हालांकि, यही विविधता भारतीय लोकतंत्र की शक्ति बन गई। प्रधानमंत्री ने कहा, यह भी संशय था कि लोकतंत्र ने जड़ें जमा भी लीं, तो भी भारत को आगे बढ़ने में मुश्किल होगी। इन संशयों के उलट, भारत ने दिखाया है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और प्रक्रियाएं उसके विकास को स्थिरता, स्केल और गति प्रदान करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में बहस, संवाद और मिलकर फैसला लेने की लंबी परंपरा रही है। उन्होंने कहा, भारत में, लोकतंत्र का मतलब है अंतिम पायदान तक सेवाओं की पहुंच। उन्होंने यह भी कहा कि भारत हर वैश्विक मंच पर ग्लोबल साउथ की चिंताओं को मजबूती से उठा रहा है। मोदी ने कहा, अपनी ळ20 की अध्यक्षता के दौरान भी, भारत ने ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को वैश्विक एजेंडा के केंद्र में रखा था। संविधान सदन (पुराने संसद भवन) के केंद्रीय कक्ष में 14 से 16 जनवरी तक आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में करीब 60 स्पीकर और पीठासीन अधिकारी शामिल हो रहे हैं। इसमें आज के कई संसदीय मुद्दों पर चर्चा हो रही है, जिनमें मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं को बनाकर रखने में अध्यक्ष (स्पीकर) और पीठासीन अधिकारी की भूमिका भी शामिल है। संसदीय कामकाज में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल, संसद सदस्यों पर सोशल मीडिया का असर, संसद के बारे में लोगों की समझ बढ़ाने के लिए नई रणनीति और मतदान के अलावा नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने आदि पर भी इस कॉन्फ्रेंस में चर्चा की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की याचिका पर ममता बनर्जी

बंगाल सरकार और डीजीपी को नोटिस भेजा

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के इस आरोप को बृहस्पतिवार को बेहद गंभीर बताया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उसकी जांच में बाधा पैदा की। न्यायालय ने इस बात की समीक्षा करने पर सहमति जताई कि क्या किसी राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियां घ्घ्किसी गंभीर अपराध के मामले में केंद्रीय एजेंसी की जांच में हस्तक्षेप कर सकती हैं। न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में उन ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर रोक लगा दी है जिन्होंने आठ जनवरी को ह्यइंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) कार्यालय और इसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर छापा मारा था। उसने राज्य पुलिस को छापेमारी की कार्रवाई की सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने मुख्यमंत्री बनर्जी, पश्चिम बंगाल सरकार, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार और शीर्ष पुलिस अधिकारियों को ईडी की उन याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है, जिनमें आई-पैक परिसर में छापेमारी में बाधा डालने के आरोप में उनके खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की

जांच का अनुरोध किया गया है। पीठ ने कहा, हमें लगता है कि देश में कानून के शासन का पालन सुनिश्चित करने और प्रत्येक अंग को स्वतंत्र रूप से कार्य करने की अनुमति देने के लिए इस मुद्दे की समीक्षा करना आवश्यक है ताकि अपराधियों को किसी विशेष राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियों की छत्रछाया में संरक्षण न मिल सके। उसने कहा, इसमें बड़े सवाल शामिल हैं और उठाए गए हैं, जिन्हें अगर अनसुलझा छोड़ दिया जाए तो स्थिति और बिगड़ जाएगी तथा अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग संगठनों के शासन को देखते हुए किसी न किसी राज्य में अराजकता की स्थिति बनी रहेगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी राजनीतिक दल के चुनावी काम में हस्तक्षेप करने की शक्ति किसी केंद्रीय एजेंसी के पास नहीं है लेकिन साथ ही यदि केंद्रीय एजेंसियां किसी गंभीर अपराध की जांच के लिए सद्भावना से काम कर रही हैं, तो सवाल उठता है कि क्या दलगत गतिविधि की आड़ में एजेंसियों को अपने कर्तव्य निभाने से रोका जा सकता है। मामले की अगली सुनवाई के लिए तीन फरवरी की तारीख तय की गई है।

अपनी नामपट्टिका लगवाना चाहते हैं मोदी :खरगे

मणिकर्णिका घाट के पुनर्विकास पर खरगे ने साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने वाराणसी के मणिकर्णिका घाट के पुनर्विकास को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि वह सिर्फ अपनी नामपट्टिका लगवाने के लिए हर ऐतिहासिक धरोहर को मिटाना चाहते हैं। खरगे ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्स पर लिखा, गुप्त काल में वर्णित जिस मणिकर्णिका घाट का लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने पुनरुद्धार कराया था, उस दुर्लभ प्राचीन धरोहर को आपने पुनरुद्धार के बहाने तुड़वाने का अपराध किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भोंडे सौंदर्यीकरण और व्यवसायीकरण के नाम पर बनारस के मणिकर्णिका घाट में बुलडोजर चलवाकर सदियों पुरानी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को ध्वस्त कराने का काम किया है। खरगे ने मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, आप चाहते हैं कि इतिहास की हर धरोहर को मिटाकर बस आपकी नामपट्टिका चिपका दी जाए। उत्तर प्रदेश के वाराणसी

में मणिकर्णिका घाट पर जारी पुनरुद्धार कार्य का प्रदर्शनकारियों ने विरोध किया है और आरोप लगाया है कि तोड़फोड़ अभियान के दौरान अहिल्याबाई होलकर की लगभग 100 साल पुरानी मूर्ति को नुकसान पहुंचाया गया है। जिला प्रशासन ने हालांकि इस आरोप को खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि मूर्तियों को दोबारा लगाने के लिए सुरक्षित रखा गया है। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने कहा कि पुनरुद्धार का मकसद घाट पर सुविधाओं को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा, यह काम कच्चे हिस्से पर और पुरानी सीढ़ियों के पुनर्निर्माण के लिए किया जा रहा है। दीवारों में लगी कुछ कलाकृतियां व मूर्तियां इस प्रक्रिया के दौरान प्रभावित हुई हैं।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत का आरोप, राजस्थान में साजिश के तहत कांग्रेस समर्थक मतदाताओं के नाम काटे गए

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कुछ अनजान लोगों ने मतदाता सूची से कांग्रेस समर्थक मतदाताओं के नाम कटवाने के लिए बड़ी संख्या में फॉर्म-7 जमा किए हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को इसे लेकर सतर्क रहने को भी कहा है। गहलोत ने कहा, मतदाता सूची के एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) में नाम कटवाने हेतु आपत्ति दर्ज करवाने का आज आखिरी दिन है। प्रदेशभर में कई स्थानों से ऐसी

सूचनाएं आ रही हैं कि अनजान व्यक्तियों द्वारा बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थक मतदाताओं के नाम कटवाने के लिए फॉर्म-7 जमा करवाए गए हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, मेरी कांग्रेस के सभी कार्यकताओं एवं बूथ स्तरीय अध्यक्षों से अपील है कि मुस्तैदी से इस पर नजर रखें एवं किसी भी वैध मत को न कटने दें। कांग्रेस नेता ने कहा, प्रशासनिक अधिकारियों से भी आग्रह है कि संविधान के अनुरूप काम करें, इस बौखलाहट से समझ लें कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिन अब लदने वाले हैं। अगर आप गैरकानूनी काम करेंगे तो आपको भी किसी न किसी दिन कानून का सामना करना होगा।

ईरान में फसें जम्मू कश्मीर के छात्र, महबूबा मुफ्ती ने केंद्र से की मांग, भारतीय छात्रों की हो सुरक्षित वापसी

श्रीनगर (एजेंसी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने ईरान में मौजूदा तनावपूर्ण हालातों के बीच वहां फंसे कश्मीरी छात्रों समेत सभी भारतीयों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की बृहस्पतिवार को मांग की। मुफ्ती ने यह मांग उन कश्मीरी छात्रों के अभिभावकों की अपील के एक दिन बाद की है, जिन्होंने ईरान में पढ़ रहे अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई थी और केंद्र सरकार से अपने बच्चों की सकुशल वापसी के लिए अपील की थी। मुफ्ती ने सोशल मीडिया मंच श्एक्सश पर लिखा, ईरान की अस्थिर

स्थिति के बीच कश्मीर समेत देशभर के हजारों छात्र वहां फंसे हुए हैं। इसने उन माता-पिता के मन में गहरा डर पैदा कर दिया है, जो अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हैं। मैं विदेश मंत्री एस. जयशंकर और विदेश मंत्रालय से तत्काल हस्तक्षेप कर उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह करती हूं। एक अनुमान के मुताबिक, छात्रों समेत लगभग 10,000 से अधिक भारतीय वर्तमान में ईरान में रह रहे हैं। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने एक नया परामर्श जारी कर छात्रों, तीर्थयात्रियों, व्यापारियों और पर्यटकों समेत सभी भारतीयों से व्यावसायिक उड़ानों या अन्य साधनों के जरिए ईरान छोड़ने का आग्रह किया है।

17 जनवरी को भागीरथपुरा के पीड़ितों का दर्द बांटने आएंगे राहुल गांधी

लाशों पर राजनीति करने आओगे तो इंदौर बर्दाश्त नहीं करेगा:सीएम मोहन

इंदौर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आगामी 17 जनवरी को प्रस्तावित मध्यप्रदेश के इंदौर प्रवास के पहले ये शहर पूरी तरह राजनीति का अखाड़ा बन गया है। राहुल गांधी दूषित पेयजल से हुई लगभग 20 से भी ज्यादा लोगों की मौत के मामले को लेकर 17 को इंदौर आने वाले हैं। वे यहां प्रभावितों के परिजन से मुलाकात करेंगे। उनके इस दौरे के पहले राज्य में इस मुद्दे को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कल अपने इंदौर प्रवास के दौरान बिना

किसी का नाम लिए इस मामले को लेकर कांग्रेस और नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा,हमने इस कठिनाई के दौर को महसूस किया है, संवेदना के साथ महसूस किया है, लेकिन आप अगर लाशों पर राजनीति करने आओगे, इंदौर बर्दाश्त नहीं करेगा। कोई बर्दाश्त करने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर आपने आपदा में से अवसर तलाश कर राजनीति का रास्ता तलाशा, तो ये उचित नहीं कहा जा सकता। आप सकारात्मक विरोध करो, विपक्ष की आवाज विपक्ष की तरह से रखो, तो हम सब उस बात से सहमत हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा,लेकिन अगर आपने बात निकाली, तो बात दूर तलक तक जाएगी। वहीं कांग्रेस ने भी सरकार पर हमला बोला है। बता दें कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का 17 जनवरी को इंदौर आगमन पीड़ित परिवारों और शहरवासियों को संबल, संवेदना और न्याय की उम्मीद देगा। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल से अब तक 20 से भी ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। सरकार जहां लगातार व्यवस्थाएं सुधारने का दावा कर रही है, वहीं कांग्रेस इसे एक मुद्दा बना रही है।

दुष्कर्म के मामले में दोषी को 25 साल की सजा, अदालत ने लगाया 29 हजार रुपये का जुर्माना

बलिया (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बलिया की एक स्थानीय अदालत ने 13-वर्षीय एक किशोर के साथ दुष्कर्म एवं मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने के दो वर्ष पुराने मामले में एक आरोपी को बुधवार को दोषी करार दिया और 25 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। एक पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, बलिया जनपद स्थित सहतवार थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग किशोर 12 अक्टूबर 2023 की शाम को अपने घर के सामने खेल रहा था कि अजय पासवान नामक व्यक्ति उसे निर्जन स्थान पर ले गया तथा उसके साथ अप्राकृतिक यौनाचार किया। अभियोग के अनुसार, आरोपी ने नाबालिग से मारपीट भी की तथा जान से मारने की उसे धमकी दी। इस मामले में किशोर के पिता की तहरीर पर घटना के अगले दिन अजय पासवान के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत नामजद मुकदमा दर्ज किया गया।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने 94 अधिकारियों को 70वां 'विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार' प्रदान किया

नई दिल्ली, : उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने आज चाणक्यपुरी स्थित राष्ट्रीय रेल संग्रहालय में आयोजित एक गरिमामय समारोह में 70वां विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान किया। ये पुरस्कार रेल नेटवर्क के सुचारू संचालन और विकास के प्रति रेल कर्मचारियों के अनुकरणीय समर्पण, कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हैं। समारोह के दौरान, महाप्रबंधक ने उत्तर रेलवे के 94 अधिकारियों /कर्मचारियों को उनकी मेधावी सेवाओं के लिए पुरस्कार प्रदान किए। व्यक्तिगत उत्कृष्टता के अलावा, उत्तर रेलवे के उन विभिन्न विभागों और मंडलों को 30 दक्षता शील्ड (एफ्रील्लू८ ग्रँ'ि) प्रदान की गईं, जिन्होंने

पिछले वर्ष के दौरान विभिन्न परिचालन मानकों में असाधारण प्रदर्शन किया है। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री मोहित चंद्र के साथ-साथ सभी प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष, उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और उत्तर रेलवे के विभिन्न मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक भी उपस्थित थे। पुरस्कार विजेताओं और सभा को संबोधित करते हुए श्री अशोक कुमार वर्मा ने कहा, ₹भारतीय रेल माननीय प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के विजन को पूरा करने की दिशा में अथक प्रयास कर रही है। इस विजन को साकार करने में उत्तर रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारे भविष्य के रोडमैप में नवाचार, अडिग सुरक्षा मानक, गहन प्रशिक्षण और संरचनात्मक सुधारों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।₹ महाप्रबंधक ने ट्रैक रखरखाव और बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संगठन के भीतर एक सांस्कृतिक परिवर्तन का आह्वान करते हुए अधिकारियों से ₹औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागने₹ और रेल प्रशासन के प्रति अधिक सक्रिय, नागरिक-केंद्रित और कुशल दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उत्तर रेलवे के पूरे कार्यबल को नए उत्साह और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। पुरस्कार समारोह से पहले रेलवे कर्मचारियों द्वारा एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें भारतीय रेल की समृद्ध विरासत और कार्य-संस्कृति की झलक दिखाई गई।

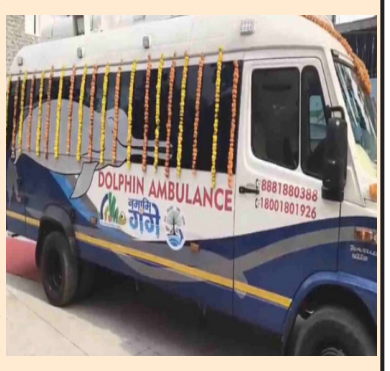

डॉल्फिन एंबुलेंस; एक्सरे-ईसीजी सुविधाओं से लैस, रेस्क्यू को और बेहतर ढंग से करने का प्रयास

देहरादून , (जीएनएस)। डॉल्फिन एंबुलेंस में कई चिकित्सा सुविधाओं को जुटाया गया है। टीएस फाउंडेशन इंडिया संस्था ने यूपी में 2013 से 41 डॉल्फिन को रेस्क्यू किया गया है। अभी तक यह काम ट्रक के जरिए होता रहा है। डॉल्फिन के संरक्षण को लेकर कोशिश चल रही है। इसके अलावा रेस्क्यू को और बेहतर ढंग से करने को लेकर भी प्रयास तेज हुए हैं। रेस्क्यू किए जाने वाले डॉल्फिन के स्वास्थ्य की जांच आदि के लिए खास रेस्क्यू एंबुलेंस को तैयार किया गया है, इसमें एक्सरे-ईसीजी जैसी जांच सुविधाओं से लैस किया गया है। भारतीय वन्यजीव संस्थान से मंगलवार को डॉल्फिन एंबुलेंस को जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने रवाना

किया था। इस एंबुलेंस में कई चिकित्सा सुविधाओं को जुटाया गया है। टीएस फाउंडेशन इंडिया संस्था की बायोलॉजिस्ट सुप्रिया दत्ता बताती हैं कि उनकी संस्था डॉल्फिन, घड़ियाल समेत अन्य जलीय जीवों के संरक्षण, अध्ययन के क्षेत्र में काम करती है। वे बताती है कि संस्था ने यूपी में 2013 से 41 डॉल्फिन को रेस्क्यू किया गया है। अभी तक यह काम ट्रक के जरिए होता रहा है। इस एंबुलेंस के माध्यम से रेस्क्यू किया जाएगा। बताया कि एंबुलेंस को कई सुविधा से लैस किया गया है। इसमें स्ट्रेचर है, डॉल्फिन जलीय जीव है उस पर पानी के छिड़काव के लिए 500 लीटर टैंक और शॉवर की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा की एंबुलेंस में ईसीजी, एक्सरे की सुविधा है। ब्लड एनालिसिस करने समेत अन्य सुविधा है। इसमें पशु चिकित्सक भी होंगे। जिनके माध्यम से जरूरत होने पर इलाज भी किया जा सकेगा। यह डॉल्फिन को लेकर अपने तरह की पहली एंबुलेंस है। भारतीय वन्यजीव संस्थान के डॉ. विपल मौर्य कहते हैं कि यूपी की बात करें तो यहां पर नदियों से नहर में कई बार डॉल्फिन पहुंच जाती है, जो पानी कम होने पर फंस जाती है, जिनको रेस्क्यू करने की जरूरत पड़ती है।

कटरा-टिकरी खण्ड (15.35 किमी) के दोहरीकरण को रू. 151.24 करोड़ की लागत से मिली मंजूरी

गोरखपुर : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पूर्वोत्तर रेलवे के मनकापुर-अयोध्या

खण्ड के कटरा-टिकरी खण्ड (15.35 किमी) के दोहरीकरण को रू. 151.24 करोड़ की लागत से स्वीकृति प्रदान की है। मनकापुर-टिकरी एवं कटरा-अयोध्या खण्ड के दोहरीकरण को पहले ही स्वीकृति दी जा चुकी है, इस प्रकार मनकापुर से अयोध्या तक दोहरीलाइन को मंजूरी मिल गई। कटरा-टिकरी रेल खण्ड उत्तर प्रदेश के गोण्डा जनपद में अवस्थित है। अयोध्या-मनकापुर खण्ड के एक छोर पर उत्तर रेलवे का बाराबंकी-अयोध्या-जौनपुर तथा दूसरे छोर पर पूर्वोत्तर रेलवे का बस्ती-गोण्डा रेल खण्डों का दोहरीकरण हो चुका है। अयोध्या-मनकापुर दोहरीकरण परियोजना के पूरा होने पर लाइन क्षमता में वृद्धि होने से अयोध्या इंटरचेंज प्वाइंट पर यात्री एवं माल यातायात के लिए पाथ में वृद्धि होगी तथा गोरखपुर से लखनऊ वाया अयोध्या रेल खण्ड की क्षमता में भी वृद्धि होगी। जिसके फलस्वरूप मांग के अनुरूप ट्रेनों की संख्या में वृद्धि की जा सकेगी। गोरखपुर से अयोध्या, लखनऊ होते हुए प्रयागराज जाने वाली वंदे भारत भी इसी रूट पर चलती है।

गोरखपुर स्टेशन का दृश्य

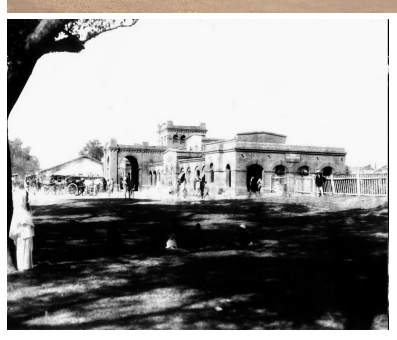

गोरखपुर,: गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन के 141 वर्ष पूरा होने पर 15 जनवरी, 2026 को स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सेवायें दे रहा है। वर्ष 1981 में छपरा से मल्हौर तक का आमान परिवर्तन पूर्ण हुआ और गोरखपुर जं. बड़ी लाइन के माध्यम से देश के रखकर रू0 498.97 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। मल्टी लेवल कार पार्किंग तथा कामर्शियल ब्लॉक का कार्य अंतिम चरण में है।

गोरखपुर स्टेशन के रेलकर्मियों ने केक काटकर स्थापना दिवस मनाया। गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन पूर्वी उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है, जो 15 जनवरी, 1885 को अपनी स्थापना से आज तक निरन्तर उच्च स्तरीय यात्रा

अन्य महानगरों से जुड़ा। वर्ष 2004 में यहाँ दोहरीकरण का कार्य सम्पन्न हुआ। गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन का यार्ड रिमॉडलिंग 06 अक्टूबर, 2013 को पूर्ण हुआ। इसी के साथ गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन का प्लेटफॉर्म विश्व का सबसे लम्बा प्लेटफॉर्म बना था। वर्तमान में यह विश्व का दूसरा सबसे लम्बा प्लेटफॉर्म है। यहाँ पर उन्नत यात्रा सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह स्टेशन गोरखपुर एवं आस-पास के जनपदों सहित नेपाल के लोगों को भी अपनी सेवायें दे रहा है तथा पूर्वोत्तर रेलवे यहाँ प्रतिदिन लगभग एक लाख यात्रियों को अपनी सेवायें दे रहा है। गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास आगामी 50 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में मुख्य स्टेशन भवन का निर्माण तीन पार्ट में किया जायेगा, जिसमें पहले पार्ट पर कार्य चल रहा है, दूसरे एवं तीसरे पार्ट का कार्य करने हेतु यू.टी.एस. काउंटर्स को शिफ्ट किया जाना है, जिसके लिए नया शेड बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। नए फुट ओवर ब्रिज बनाने के कार्य में तेजी लायी जा रही है। द्वितीय प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन बनाने हेतु कार्य प्रगति पर है, लॉन्ड्री हटाने के बाद इस कार्य में तेजी आयेगी। प्लेटफार्म संख्या-9 के निकट स्थित लॉन्ड्री की सुविधा को स्थानांतरित करने हेतु एक नई भवन का निर्माण हो चुका है। स्टेशन का पुनर्विकास कार्य पूरा होने पर इसे एक भव्य स्वरूप दिया जायेगा, जो कि सांस्कृतिक विरासत एवं आधुनिकता को समेटे हुये होगा।

बेटी से दुष्कर्म करने वाले वायुसेना कर्मी को 20 साल की कैद, गुमराह करने के लिए कही थी घिनौनी बात

देहरादून , (जीएनएस)। बेटी से दुष्कर्म करने वाले वायुसेना कर्मी को 20 साल की कैद की सजा सुनाते हुए न्यायाधीश ने कहा- जिस पिता की जिम्मेदारी रक्षा करना थी, उसी ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को तहस-नहस कर दिया। विशेष पॉक्सो अदालत ने नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म के दोषी वायु सेना कर्मी को बुधवार को 20 साल कठोर कैद की

सजा सुनाई। साथ ही सख्त टिप्पणी की है। न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा कि जिस पिता की जिम्मेदारी रक्षा करना थी, उसी ने मासूम के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को तहस-नहस कर दिया। ऐसे अपराधी के प्रति कोई नरमी नहीं बरती जा सकती। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) अर्चना सागर की अदालत ने दोषी पर 25 हजार जुमार्ना लगाने के साथ ही पीड़िता को तीन लाख रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया। पीड़िता ने अदालत को बताया कि जब वह महज 5-6 साल की थी, तब से उसके पिता ने उसका यौन शोषण शुरू कर दिया था। वह उसे चुप रखने के लिए उसकी गुड़िया के हाथ-पैर तोड़ देता था और धमकी देता था कि अगर किसी को बताया तो उसके साथ भी यही हाल करेगा। आरोपी ने बेटी को यह कहकर गुमराह किया था कि हर पिता अपनी बेटी से ऐसे ही प्यार करता है। वर्षों तक जुल्म सहने के बाद पीड़िता ने नवंबर 2023 में हिम्मत जुटाकर अपनी मां को पूरी सच्चाई बताई थी। 20 नवंबर को जब आरोपी ने फिर से गलत हरकत की तो मां ने रायपुर पुलिस को सूचना दी। गिरफ्तारी के डर से आरोपी भाग गया था, जिसे बाद में पकड़ा गया।

ग्रीन सेस का दूसरा ट्रायल सफल, नारसन बॉर्डर पर कुछ वाहनों का एएनपीआर कैमरे से वसूला गया

देहरादून , (जीएनएस)। ग्रीन सेस काटने का प्रावधान अब प्रदेशभर में लागू होने को है। परिवहन विभाग ने प्रदेश में 37 ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरा लगाए हुए हैं, जिनमें से 15 राज्य की सीमाओं के प्रवेश पर हैं। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार प्रदेश में ग्रीन सेस वसूली का दूसरा ट्रायल सफल हो गया। हरिद्वार के नारसन बॉर्डर स्थित एएनपीआर कैमरे के माध्यम से कुछ बाहरी राज्यों के वाहनों का ग्रीन सेस काटा गया। हालांकि प्रक्रिया धीमी होने के चलते अभी आईटीडीए इसका सिस्टम अपडेट कर रहा है। बाहरी राज्यों से आने वाले वाहनों से एक निश्चित धनराशि बतौर ग्रीन सेस काटने का प्रावधान अब प्रदेशभर में लागू होने को है। परिवहन विभाग ने प्रदेश में 37 ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) कैमरा लगाए हुए हैं, जिनमें से 15 राज्य की सीमाओं के प्रवेश पर हैं। इन सभी के माध्यम से प्रदेश में आने वाले बाहरी राज्यों के वाहनों से ग्रीन सेस काटा जाएगा। फिलहाल हरिद्वार के नारसन स्थित चेकपोस्ट के कैमरा ने डाटा भेजना शुरू कर दिया है, जिससे कुछ वाहनों का ग्रीन सेस नंबर प्लेट के माध्यम से फास्टैग खाते से काटा गया है।परिवहन मुख्यालय के मुताबिक, कैमरा आईटीडीए के डाटा सेंटर में वाहनों की वीडियो भेजता है। इस वीडियो से वाहनों की छंटनी होने के बाद बाहरी राज्यों के नंबर प्लेट के हिसाब से ग्रीन सेस की कटौती की जाती है। यह नारसन चेकपोस्ट से शुरूआत की तो इसमें कुछ तकनीकी दिक्कतें आईं। प्रक्रिया धीमी चल रही है, जिससे सभी वाहनों का ग्रीन सेस नहीं कट पा रहा है। लिहाजा, आईटीडीए के विशेषज्ञों की टीम सिस्टम को अपग्रेड करने में जुटी हुई है।

अल्मोड़ा के पपरशैली जंगल में भड़की आग, दो हेक्टेयर वन संपदा आग की भेंट चढ़ी

अल्मोड़ा , (जीएनएस)। अल्मोड़ा में फायर सीजन से पहले पपरशैली जंगल में लगी आग से करीब दो हेक्टेयर वन संपदा जलकर खाक हो गई। अल्मोड़ा

जिले में फायर सीजन शुरू होने को अभी एक महीने का समय बचा है लेकिन फायर सीजन से पहले ही अल्मोड़ा के जंगल धधक रहे हैं। अब कसार देवी रोड के समीप पपरशैली के जंगल में आग भड़कने से करीब दो हेक्टेयर वन संपदा आग की भेंट चढ़ गई। आग इतनी भयानक थी की फायर सर्विस यूनिट को आग पर काबू पाने में एक घंटे से अधिक का समय लग गया। अल्मोड़ा फायर सर्विस को बुधवार की सुबह 4:30 बजे पपरशैली के जंगल में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलने पर फायर सर्विस यूनिट मौके पर पहुंची। टीम ने एक होज रील की सहायता से किसी तरह एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जबकि वन क्षेत्राधिकार मोहन राम आर्या ने बताया कि वन विभाग की आरक्षित भूमि पर अब तक आग की कोई घटना नहीं है। बताया कि मंगलवार की शाम शैल बैंड के पास सुनारखोला वन पंचायत क्षेत्र के जंगल में आग लगी थी। सूचना के बाद वनकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग को जंगल में फैलने से रोक दिया था। बुधवार को वन विभाग की आरक्षित वन भूमि पर आग लगने की कोई सूचना नहीं है।

जीबी पंत कृषि विवि के वैज्ञानिकों ने मोटे अनाज से रेडी टू ईट सिवई बनाने में सफलता हासिल की

देहरादून , (जीएनएस)। पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने मोटे अनाज से पोषणयुक्त रेडी टू ईट सिवई बनाने में सफलता पाई जिसे अब खाने में इस्तेमाल किया जा सकता है। सिवई खाने के शौकीनों के लिए अच्छी खबर है। अब उन्हें इसे पकाने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। जीबी पंत कृषि विवि के वैज्ञानिकों ने मोटे अनाज से मीठी सिवई (रेडी टू ईट) बनाने में सफलता हासिल कर ली है। वैज्ञानिकों ने पोषण से भरपूर इस सिवई का पेटेंट भी हासिल कर लिया है। साधारणतया सिवई (वर्मिसीली) मैदा या सूजी से बनती है। लेकिन

मैदा पाचन में प्रतिकूल प्रभावकारी और शरीर के लिए बहुत नुकसानदायक होता है। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग में एमएससी की छात्रा विनीता खर्कवाल ने पूर्व प्राध्यापक डॉ. सरिता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन और डॉ. एसके शर्मा के सहयोग से मोटे अनाज का प्रयोग कर इस पौष्टिक सेंवई को बनाया है। बाजार में मिलने वाली सिवई को पकाना पड़ता है। किंतु यह तैयार (रेडी टू ईट) सेंवई है। इनको गर्म दूध में डालकर दो-तीन मिनट के अंदर ही खाने में इस्तेमाल किया जा सकता है। खाने में बेहद स्वादिष्ट यह सिवई शरीर को कोई हानि भी नहीं पहुंचाती हैं। पेटेंट हासिल होने पर विवि के कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी है। शरीर के लिए है बेहद फायदेमंद प्रचलित सिवई मैदा से बनने के कारण शरीर के लिए नुकसानदायक होती है। लेकिन यह सिवई मोटे अनाज से बनी होने के कारण शरीर के लिए लाभदायक है। इसमें प्रोटीन, खनिज, लवण और रेशे की प्रचुर मात्रा उपलब्ध है।दूसरा इसे पकाने का भी कोई झंझट नहीं है। यह सिवई कौणी (फॉक्सटेल मिलेट) से बनाई गई है। अनूठी इस सेंवई के पेटेंट के लिए मई 2018 में आवेदन शरीर के लिए फायदेमंद, रेडी टू ईट और अपने आप में किया गया था।

18 जनवरी, 2026 को संतरागाछी जं. से बनारस के लिए चलेगी उद्घाटन विशेष अमृत भारत ट्रेन

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 22588/22587 बनारस-सियालदह-बनारस अमृत भारत त्रैसाप्ताहिक एक्सप्रेस का शुभारम्भ संतरागाछी से बनारस के लिए 18 जनवरी, 2026 को 03141 संतरागाछी-बनारस उद्घाटन विशेष अमृत भारत एक्सप्रेस चलाकर किया जायेगा। 22588/22587 बनारस-सियालदह-बनारस अमृत भारत एक्सप्रेस का नियमित संचलन बनारस से 23 जनवरी, 2026 से प्रत्येक रविवार, मंगलवार एवं शुक्रवार को तथा सियालदह से 24 जनवरी, 2026 से प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शनिवार को निम्नवत किया जायेगा। ये गैर-वातानुकूलित श्रेणी की प्रीमियम ट्रेन हैं। उद्घाटन विशेष गाड़ियों का सम्भावित समय निम्नवत है। बनारस के लिए यह पहली अमृत भारत गाड़ी है। 18 जनवरी, 2026 रविवार को चलने वाली 03141 संतरागाछी-बनारस अमृत भारत उद्घाटन विशेष गाड़ी संतरागाछी से 14.45 बजे प्रस्थान कर दुगार्पुर से 16.36 बजे, आसनसोल से 17.00 बजे, मधुपुर से 17.52 बजे जसीडीह से 18.13 बजे, पटना से 22.05 बजे तथा दूसरे दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं. से 01.30 बजे छूटकर बनारस 03.15 पहुँचेगी। इस अमृत भारत उद्घाटन विशेष गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 08, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 08, एल.एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे। 22588 बनारस-सियालदह अमृत भारत एक्सप्रेस 23 जनवरी, 2026 से प्रत्येक रविवार, मंगलवार एवं शुक्रवार को बनारस से 22.10 बजे प्रस्थान कर पं0 दीनदयाल उपाध्याय जं. से 23.15 बजे, दूसरे दिन पटना जं. से 02.05 बजे, जसीडीह से 05.02 बजे, मधुपुर से 05.21 बजे, आसनसोल से 06.20 बजे तथा दुगार्पुर से 06.45 बजे छूटकर सियालदह 09.55 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 22587 सियालदह-बनारस अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शनिवार को सियालदह से 19.30 बजे प्रस्थान कर दुगार्पुर से 21.21 बजे, आसनसोल से 21.45 बजे, मधुपुर से 22.37 बजे, जसीडीह से 22.58 बजे, दूसरे दिन पटना जं. से 02.50 बजे तथा पं0 दीनदयाल उपाध्याय जं. से 06.15 बजे छूटकर बनारस 07.20 बजे पहुँचेगी। इन अमृत भारत एक्सप्रेस में शयनयान श्रेणी के 08, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 08, एल.एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे। अमृत भारत एक्सप्रेस एक ऐसी ट्रेन है, जो यात्रियों की अत्याधुनिक सुविधाओं और किफायती यात्रा की नई परिकल्पना का प्रतीक है। यह ट्रेन आकर्षण डिजाइन और आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। यह स्वदेशी ट्रेन आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूत करती है। तकनीकी दृष्टि से भी अमृत भारत एक्सप्रेस अत्यंत सुरक्षित है। कवच सिस्टम से युक्त इस ट्रेन में सेमी ऑटोमैटिक कपलर, क्रैश ट्यूब और ईपी-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम लगाए गए हैं, जिससे आपात स्थिति में तुरंत ब्रेक लग सके। इसके सभी कोच पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूएशन सिस्टम से युक्त हैं। इस ट्रेन में यात्रा के दौरान आराम का विशेष ध्यान रखा गया है। ट्रेन में सेमी ऑटोमैटिक कपलर का उपयोग किये जाने से कोच जोड़ते या अलग करते समय झटका या शोर नहीं होता। डिफॉर्मेशन ट्यूब दुर्घटना की स्थिति में झटका कम कर देती है। पुश-पुल तकनीक इसकी रफ्तार बढ़ाने में मदद करती है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अमृत भारत एक्सप्रेस के कोचों में आधुनिक फीचर में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, बॉटल होल्डर, रेडियम फ्लोर स्ट्रिप्स, आरामदायक सीटें और बेहतर बर्थ सम्मिलित हैं। हर शौचालय में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमैटिक सोप डिस्पेंसर और फायर सप्रेशन सिस्टम जैसी सुविधाएं दी गई हैं। इस ट्रेन में दिव्यांगजनों के लिए भी विशेष शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही, हर यात्री के लिए फास्ट चार्जिंग पोर्ट और पेन्ट्री कार जैसी सुविधाएं यात्रा को और सुखद बनाती हैं।

इतिहासकार हेमन्त के लेखन से फीना को मिले 37 लाख

लखनऊ (संवाददाता)। सिंचाई विभाग लखनऊ में सहायक अभियंता एवं इतिहासकार जिला बिजनौर के ग्राम फीना निवासी हेमन्त कुमार सिंचाई विभाग राजकीय सेवा के साथ साथ स्थानीय इतिहास खोजकर्ता और साहित्यकार भी हैं। हेमन्त कुमार बिजनौर की पृष्ठभूमि पर सैकड़ों खोज करते हुए पांच पुस्तक लिख चुके हैं। इनके इतिहास खोज और लेखन कार्य से समाज को व्यापक लाभ हुआ है। उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग ने बरेली पर्यटन मण्डल में नाथ सर्किट के विकास के लिए मात्र दो स्थलों का चयन कर धनराशि जारी की है इन दो स्थानों में एक बरेली और दूसरा ग्राम फीना का जाहरवीर गोगा जी मेला स्थल खेड़ा है। सार्वजनिक आर्य इंटर कॉलेज के प्रबंधक मनोज कुमार राजपूत के अनुसार इस योजना के अंतर्गत ग्राम फीना को लगभग 37 लाख रुपए आवंटित हुए हैं और यह बड़ी धनराशि मिलने में इंजीनियर हेमन्त कुमार के इतिहास खोज और लेखन का महत्वपूर्ण योगदान है। दरअसल दिसम्बर 2024 में पर्यटन विभाग ने प्रत्येक जिले से कुछ चुनिंदा स्थानों पर पर्यटन विकास कराने के लिए उनकी विस्तृत ऐतिहासिकता सम्बन्धी जानकारी के साथ प्रस्ताव मांगे थे जिसकी जानकारी मनोज कुमार राजपूत को हुई।

स्वर शतकम् में गूंजा ग्वालियर का संगीतिक वैभव, मां भारती का हुआ यशोगान

■ ग्वालियर

स्वर शतकम् आयोजन समिति द्वारा बुधवार को जीवाजी विश्वविद्यालय के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित स्वर शतकम् कार्यक्रम में गायन,वादन और नृत्य का अद्भुत संगम हुआ। ग्वालियर की समृद्ध संगीतिक विरासत और मां भारती के वैभव का यशोगान ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के गायन विभाग के विद्यार्थियों ने राग देस, ताल अठारह मात्रा में वंदे मातरम् का गायन किया, जिस पर भरतनाट्यम के भाव नृत्य ने सभागार को तालियों से गूंजा दिया। कार्यक्रम में संगीत परंपरा पर लघु वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया।

वाद्य वृंद से जब राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के छात्र- छात्राओं ने मां दुर्गा का आह्वान किया तो सभागार में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो गया।

संस्कार भारती द्वारा 5-6 जनवरी को आयोजित विद्यालयीन और महाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को गायन के बाद पुरस्कृत किया गया। ईसीएस स्कूल की टीम ने विश्व में गूंजे हमारी भारती, जन-जन उतारे आरती..., जीवाजी विश्वविद्यालय की टीम ने ले चलें हम राष्ट्र नौका को भंवर से पार कर..., पीडी कॉन्वेंट स्कूल की टीम ने ये राष्ट्र भुजाएं फड़क उठीं भारत के वीर जवानों की..., राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की टीम ने वसुंधरा परिवार हमारा..., ग्वालियर ग्लोरी हाईस्कूल ने साथ चलें हम, साथ रहें हम मंजिल एक हमारी..., आईटीएम ने क्रांति की मशाल से मशाल को देश के जवान तू जलाए जा...गीत को प्रस्तुत कर राष्ट्र भक्ति के भाव का संचार किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर सहित अन्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी, जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो.राजकुमार आचार्य राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे, आईआईटीटीएम के निदेशक प्रो. आलोक शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कृत कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत डॉ.संजय धवले, गोपी मंधान, चंद्रप्रताप सिकरवार, डॉ.रूबी गुप्ता, शिखर दीक्षित ने किया। एकल गीत अनूप मोघे ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एसबी ओझा, निरुपम नेवासकर ने एवं आभार चंद्रप्रताप सिकरवार ने व्यक्त किया।

ये रहे विजेता

विद्यालयीन स्तर

प्रथम-ग्वालियर ग्लोरी हाईस्कूल, द्वितीय पीडी कॉन्वेंट स्कूल, तृतीय स्थान पर ईसीएस स्कूल की टीम रही।

महाविद्यालयीन स्तर

प्रथम-आईटीएम, द्वितीय राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय एवं तृतीय स्थान पर जीवाजी विश्वविद्यालय की टीम रही।

222 दिन की देरी के कारण पुलिस की 14 बीघा जमीन हाथ से निकली

■ ग्वालियर

पुलिस और राजस्व अधिकारियों की लापरवाही से राज्य सरकार के हाथों से पुलिस विभाग की 14 बीघा जमीन हाथ से निकलकर निजी हाथों में चली गई। उच्च न्यायालय ने यह कहकर शासन के आवेदन को खारिज कर दिया कि 222 दिनों की देरी माफी योग्य नहीं है।

दरअसल, यह बहुचर्चित मामला जडेरुआ खुर्द के विभिन्न सर्वे क्रमांकों की वेशकीमती 14 बीघा जमीन से जुड़ा हुआ है। राजस्व अभिलेखों में वर्ष 1950 तक यूनिपेच फेक्ट्री के पीछे भिंड रोड पर सर्वे क्रमांक 100,104,105,122,123,126 ,133,41,44,45,71 की भूमि एहतमाम पुलिस डिपार्टमेंट दर्ज थी। जिसे बाद में रामसेवक के नाम चढ़वा दिया गया। न्यायालय ने भी रामसेवक के पक्ष में डिक्री कर दी। फिर डब्ल्यूपी क्रमांक 1319/2007 उच्च न्यायालय में प्रचलित रही। जिसपर आईए क्रमांक 7839/2025 की बहाली के लिए शासन ने याचिका दायर की। समय सीमा समाप्त होने से यह खारिज हो गई। मप्र शासन ने एमसीसी 3848/2025 दायर कर राहत मांगी। लेकिन न्यायमूर्ति ने 222 दिनों की देरी को माफी योग्य नहीं मानते हुए आवेदन को अस्वीकार कर दिया है। यह निर्णय न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया ने 14 जनवरी को दिया। जिससे शासन के हाथों से 14 बीघा जमीन चली गई। इसमें पुलिस महानिरीक्षक ने ओआईसी को 12 जनवरी 2026 को निंदा का दंड दिए जाने का हवाला दिया लेकिन न्यायालय ने कहा कि निंदा की अवधि एक वर्ष है, ऐसे में एक वर्ष की अवधि के बाद लाभ मिल सकता है।

मृत्युंजय की मौत की जिम्मेदार महिला उप निरीक्षक को नहीं मिली जमानत

■ ग्वालियर

बहुचर्चित मृत्युंजय चौहान अधिवक्ता आत्महत्या मामले में उप निरीक्षक प्रीति जादौन को जिला न्यायालय ने अग्रिम जमानत देने से यह कहकर इंकार कर दिया है कि यह कृत्य पुलिस अधिकारी द्वारा किया गया है, ऐसे में अपराध की गंभीरता और बढ़ जाती है। इसलिए उसे विवेचना में सहयोग करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि मृत्युंजय आत्महत्या मामला एक माह से गहराया हुआ है। उसने 15 दिसंबर को आदर्शपुरम गोला का मंदिर क्षेत्र में आत्महत्या कर ली थी। साथ ही कई आडियो वायरल किए। जिसमें सिविल लाइन थाना में पदस्थ उप निरीक्षक प्रीति जादौन एवं आरक्षक अराफात को जिम्मेदार ठहराने की बात कही थी। तब लंबी जांच के बाद गोला का मंदिर थाना पुलिस ने प्रीति जादौन एवं अराफात के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की प्राथमिकी दर्ज की। जिसपर दोनों फरार हो गए। इस मामले में प्रीति जादौन ने स्वयं को निर्दोष बताते हुए अभिभाषक के माध्यम से षष्टम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विवेक कुमार के न्यायालय में अग्रिम जमानत आवेदन लगाया। जिसमें अतिरिक्त लोक अभियोजक घनश्याम मंगल एवं मृतक की मां शिवकुमारी की ओर से जमानत का विरोध किया गया। अभियुक्त की ओर से तर्क दिया गया कि 12 दिसंबर 2025 को सिविल लाइन क्वार्टर में वह अकेली थी, अराफात अपनी पत्नी के साथ कहीं और था। मृत्युंजय ने रात 10.30 बजे आकर झगड़ा करते हुए उसके ऊपर दो फायर किए। साथ ही बट से सिर में चोट पहुंचाई। लात-घूसों से मारा और तवा सिर में मारने की कोशिश की। मोबाइल छीन लिया।तब वह बालकनी के रास्ते से उतरकर ग्वालियर जेएएच में इलाज कराने पहुंची। उसपर लगाए आरोप गलत हैं। मृतक की मां शिवकुमारी की ओर से कहा गया मृत्युंजय उसका इकलौता सहारा था लेकिन प्रीति और अराफात के कारण उसे जान गंवानी पड़ी। प्रीति के साथ अराफात को देखने के कारण घटना हुई क्योंकि अराफात ने उसके साथ मारपीट की और छाती पर चढ़कर जान से मारने का प्रयास किया। प्रीति भी यह कह रही थी कि आज यह बचकर नहीं जाना चाहिए। घटना के बाद मृत्युंजय ने सिविल लाइन थाना में आवेदन दिया था लेकिन थाना प्रभारी ने उल्टे केस लगाने की धमकी दी। मामले की सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने गंभीर टिप्पणी के साथ अग्रिम जमानत आवेदन नामंजूर कर दिया। न्यायालय ने कहा कि आत्महत्या की दुष्प्रेरणा एक गंभीर अपराध है और यदि यह अपराध किसी पुलिस अधिकारी द्वारा किया जाता है तो गंभीरता और बढ़ जाती है। क्योंकि पुलिस अधिकारी शासकीय सेवक होने के नाते कानून का रक्षक भी है उससे उच्च नैतिक आचरण एवं उत्तरदायित्व की अपेक्षा की जाती है।उनका यह कृत्य सामाजिक मानदंडों और पुलिस सेवा नियमावली के प्रतिकूल आचरण है। चूंकि अभियुक्त द्वारा विवेचना में सहयोग नहीं किया जा रहा इसलिए कानून सब पर बराबर लागू होता है सघन जांच संपादित की जाए।

गांजा तस्करों को पांच-पांच वर्ष का कारावास

ग्वालियर। विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस नवनीत कुमार वालिया ने गांजा तस्कर योगेश साहू एवं जीतू कुशवाहा को 5-5 वर्ष के कारावास एवं 20-20 हजार रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया है। अतिरिक्त लोक अभियोजक धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि घटना 30 अप्रैल 2023 की है, जब बहोड़ापुर थाना पुलिस को सूचना मिली कि मूर्ति पहाड़ियां मुरैना लिंक रोड पर दो युवक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर आ रहे हैं, उनके पास मादक पदार्थ है। तब पुलिस ने उनका वाहन रोक कर तलाशी ली। उनके पास से सफेद प्लास्टिक के थैले से 11 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद किया गया। न्यायालय में अभियोग पत्र पेश होने के बाद न्यायाधीश ने अभियुक्त योगेश साहू पुत्र कमल साहू एवं जीतू कुशवाहा पुत्र राजू कुशवाहा को पांच-पांच वर्ष के कारावास एवं 20-20 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया।

शेयर मार्केट में निवेश के बहाने वृद्ध से 17.15 लाख ठगे

■दो करोड़ का फायदा होने पर रकम मांगने पर फर्जीवाड़ा का पता चला

■ ग्वालियर

शेयर मार्केट में रुपए निवेश करने का झांसा देकर शातिर ठगों ने वृद्ध को 17 लाख रुपए से ज्यादा की चपत लगा दी। शेयर मार्केट में रुपए निवेश करने के बाद जब वृद्ध ने फायदे की रकम मांगी तो ठग सर्विस शुल्क के बहाने 42 लाख रुपए और मांगने लगे। संदेह होने पर वृद्ध ने सर्विस शुल्क देने से मना कर दिया और पुलिस को घटना के बारे में बताया।

भिंड रोड स्थित शुभांजलि इंक्लेव निवासी राकेश कुमार पुत्र लालपति गोले 60 वर्ष को ठगों ने 1 दिसमबर को व्हाट्सअप पर 861 एससी वेल्थ क्लब से जोड़ा था। ठगों ने व्हाट्सअप पर वृद्ध को बताया कि उनका व्हाट्सअप ग्रुप (स्टैण्डर्ड चार्टड जीपी) सेवी से पंजीकृत है जिसमें आप हमारे साथ किसी भी बिना भय के शेयर मार्केट में रुपयों का निवेश कर सकते हैं। जिसका लाभ भी दिया जाएगा। वृद्ध ठगों के झांसे में आ गए और उन्होंने अपने सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के खाते से आरटीजीएस के माध्यम से ठगों के खाते में 12 लाख 05 हजार रुपए, एसबीआई के खाते से 4 लाख 10 हजार व आईएमपीएस के माध्यम से 50 हजार रुपए और यूनियन बैंक के खाते से 50 हजार रुपए स्थानांतरित कर दिए। अलग-अलग दिनांक को राकेश कुमार ने ठगों के खातों में 17 लाख 15 हजार रुपए स्थानांतरण किए। निवेश की गई रकम बढ़कर 2 करोड़ 26 लाख रुपए हो गई तो वृद्ध ने अपना रुपया निकालना चाहा। जब राकेश कुमार ने रुपए निकालने का प्रयास किया गया तो उनसे कहा गया कि पहले सर्विस शुल्क 42 हजार रुपए देना होगा। जबकि शेयर मार्केट में रुपए निवेश करने के दौरान कहा गया था रुपए जब चाहे तब निकाल सकते हैं। संदेह होने पर जब उन्होंने अपने स्तर पर पड़ताल की तो राकेश कुमार के होश उड़ गए। 17 लाख रुपए ठगों ने शेयर मार्केट में निवेश करने के बहाने ठग लिए थे। ठगी का पता चलने पर फरियादी महाराजपुरा थाने पहुंचे और पुलिस को घटना के बारे में बताया। पुलिस ने वृद्ध की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ धारा 318(4) 319 (2) 308 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

इनका कहना है

दो लोगों की शिकायत पर ठगी करने वालों की पहचान और रकम किन खातों में भेजी गई है, उनकी पड़ताल की जा रही है।

नागेन्द्र सिंह सिकरवार
नगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा

युवक से भी ठगे 24 लाख

शताब्दीपुरम निवासी मनोज कुमार पुत्र वंशगोपाल पांडेय 35 वर्ष ठगों ने शेयर मार्केट में रुपए निवेश करने के बहाने पहले व्हाटसअप ग्रुप से जोड़ा और कहा कि हमारी संस्था पंजीकृत है। मनोज कुमार ठगों के झांसे में आ गए और उन्होंने ठगों द्वारा बताए खातों में रुपए स्थानांतरण कर दिए। मनोज ने एचडीएफसी बैंक खाते से यूपीआई के माध्यम से 20 हजार रुपए, आईएमपीएस के माध्यम से 9 लाख 80 हजार रुपए, नेफ्ट के माध्यम से 01 लाख 10 हजार रुपए और आरटीजीएस के माध्यम से 12 लाख 90 हजार अलग-अलग दिनांक को कुल 24 लाख रुपए शेयर मार्केट में निवेश करने के लिए स्थानांतरण किए थे। 24 लाख रुपए निवेश करने पर मनोज की रकम बढ़कर 12 करोड़ रुपए हो गई तो उन्होंने रकम वापस करना चाही तो उनसे कहा गया कि पहले कुल रकम का 15 प्रतिशत जमा करना होगा तभी रकम निकाली जा सकती है। ठगी के शिकार पीड़ित ने पुलिस को आपबीती सुनाई। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

उधारी के पैसे मांगने पर दरवाजे पर खड़ी कार में मारी गोली

■ ग्वालियर

मुरार थाना क्षेत्र में दुकानदार को उधारी के पैसे मांगना महंगा पड़ गया। हमलावरों ने दिन में पहले फरियादी को जान से मारने की धमकी दी फिर देर रात घर पहुंचे और घर के बाहर खड़ी कार पर गोली दाग दी। गोली चलने की आवाज सुनकर दुकानदार और उसके परिवार घर से बाहर निकल आए। हमलावर घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने एक आरोपी को पकड़कर उसके साथियों की तलाश शुरू कर दी है।

हाथीखाना रोड पुष्पवाटिका के पास रहने वाले गौरव पुत्र संतोष कुशवाह 18 वर्ष की किराना की दुकान है। गौरव को रौनक परिहार, योगेश कुशवाह और संजीव गुर्जर से अपने रुपए उधार लेने थे। उसने तीनों से रुपए मांगे तो वह मना करने लगे। इसी बात को लेकर दोपहर के समय गौरव का रौनक, योगेश व संजीव से विवाद हो गया। जब बात ज्यादा बढ़ गई तो लोग आ गए और बीच बचाव करा दिया। रात साढ़े दस बजे के करीब तीनों हमलावर एक अन्य साथी के साथ आए और गौरव को गाली गलौज की। घर से बाहर बुलाने लगे। गौरव घर से बाहर निकलकर आ पाता कि इससे पहले हमलावरों ने उसकी घर के बाहर खड़ी कार में गोली मार दी। कार में गोली लगने से कांच टूट गया। गोली चलने से बस्ती में सनसनी फैल गई और हमलावर धमकी देकर मौके से भाग गए। गोली चलने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद फरियादी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इस संबंध में मुरार थाना प्रभारी मैना पटेल का कहना है कि एक आरोपी को पकड़ लिया है। उधारी के पैसे को लेकर विवाद हो गया था। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

शीशे में गोली लगने से कांच टूटा

युवक का रास्ता रोककर पड़ोसी ने पीटा

महाराजपुरा थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक का रास्ता रोककर मोटर साइकिल सवारों ने जमकर मारपीट कर दी। मारपीट की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। रामकेश कुशवाह कम्पनी में काम करता है। मंगलवार रात को वह ड्यूटी से वापस घर लौट रहा था। अभी वह महाराजपुरा थाना क्षेत्र के दीनदयाल नगर में पहुंचा ही था तभी मोटर साइकिल से तीन नकाबपोश बदमाश आए और उसका रास्ता रोककर मारपीट करना शुरू कर दी। मारपीट के दौरान रामकेश घायल हो गया। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट करने वाला एक पड़ोसी प्रखर है जिसकी पहचान उसने कर ली थी। पुलिस ने सीसीटीवी से आरोपियों की पहचान करना शुरू कर दी है।

सुगम यातायात के लिए सड़कों पर कराई गई पेंच रिपेयरिंग

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शहर की विभिन्न सड़कों पर अभियान चलाकर पेंच रिपेयरिंग का कार्य कराया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को एमएलबी कॉलेज के सामने आजाद नगर मुरार, शताब्दीपुरम, चेतकपुरी, सिकंदर कंपू, लक्ष्मीगंज, दीनदयाल नगर, जवाहर कॉलोनी, चार शहर का नाका सुभाष नगर, आदित्यपुरम सहित कई क्षेत्रों में पेंच रिपेयरिंग कर यातायात को सुचारु बनाया गया।

नकल रोकने के लिए होगी सख्ती

बोर्ड परीक्षा : नकल के साथ उद्दंडता की तो परीक्षा हो सकती है निरस्त

■ ग्वालियर

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित होने वाली 10 वीं और 12 वीं की परीक्षा की तैयारी परीक्षा केंद्रों पर शुरू होने के साथ ही नकल पर लगाम कसने के लिए काम शुरू कर दिया गया है। इस बार नकल को लेकर मंडल प्रबंधन सख्त है। इसके लिए बोर्ड के सचिव ने प्रदेश के सभी केंद्राध्यक्ष और मूल्यांकन अधिकारियों को पत्र लिखकर कहा है कि नकल करने वाले विद्यार्थियों पर सख्ती की जाए, जो नकल करने के साथ ही उद्दंडता भी करते हैं उनके परीक्षा परिणाम निरस्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि फरवरी के दूसरे सप्ताह में 10 वीं और 12 वीं की परीक्षाएं आयोजित की जाना है। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्षों की सूची तैयार कर ली गई है। बोर्ड से इस पर सहमति प्राप्त होने के बाद यह जारी कर दी जाएंगीं। इसके साथ ही जल्द ही उत्तरपुस्तिकाएं जिलों के नोडल परीक्षा केंद्रों पर भेजने का काम शुरू कर दिया जाएगा।

नकल रोकने के लिए यह दिए गए हैं निर्देश

▸▸एक विषय में नकल प्रमाणित होने और उद्दंडता भी की हो तो छात्र की केवल उसी विषय की परीक्षा निरस्त कर दी जाएगी। मंडल द्वारा नकल प्रकरण प्राप्त होने पर किसी भी दशा में उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन नहीं कराया जाएगा।

▸▸एक से अधिक विषयों में नकल प्रमाणित होने या एक विषय या एक से अधिक विषयों में नकल के साथ उद्दंडता अंकित होने पर छात्र की सभी विषयों की परीक्षा एवं परीक्षा परिणाम निरस्त कर दिया जाएगा।

केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षकों एवं परीक्षा कार्य में संलग्न कर्मचारियों द्वारा लापरवाही बरतने या सामूहिक नकल में सहयोग करना पाए जाने पर जांच के बाद उन्हें मंडल के परीक्षा कार्यों से आगामी पांच वर्ष के लिए वंचित कर दिया जाएगा।

▸▸जिलाधीश, जिला शिक्षा अधिकारी , अन्य वरिष्ठ अधिकारी, केंद्राध्यक्ष, निरीक्षण दल आदि से परीक्षा केंद्र पर एक विषय अथवा एक से अधिक विषयों में छात्रों द्वारा सामूहिक नकल का प्रतिवेदन दिए जाने तथा सामूहिक नकल प्रमाणित होने पर संपूर्ण विषयों की परीक्षा एवं परीक्षा परिणाम निरस्त कर दिया जाएगा।

▸▸मूल्यांकन केंद्र पर उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के दौरान परीक्षा केंद्र की कम से कम 10 उत्तरपुस्तिकाओं में हल किए गए एक तिहाई उत्तर एक ही भाषा शैली में, एक ही तरीके से लिखे गए हों सामूहिक नकल की श्रेणी में रखा जाएगा। ऐसे छात्रों की अन्य विषयों की सभी उत्तरपुस्तिकाओं की जांच की जाएगी। सामूहिक नकल सिद्ध होने पर संपूर्ण विषयों की परीक्षा और परीक्षा परिणाम निरस्त कर दिया जाएगा।

▸▸एक ही उत्तरपुस्तिका में एक से अधिक हस्तलिपि में प्रश्न हल किए हों तो व्यक्तिगत नकल प्रकरण की श्रेणी में रखा जाएगा तथा संपूर्ण विषयों की परीक्षा निरस्त कर दी जाएगी। साथ ही उस परीक्षा केंद्र के केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष तथा उस कक्ष में तैनात पर्यवेक्षक की जांच उपरांत मंडल के परीक्षा कार्यों से आगामी पांच वर्ष के लिए वंचित कर दिया जाएगा।

पांच लाख फरियादी को लौटाने के आदेश

ग्वालियर। विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम ने आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) द्वारा नगर निगम के तत्कालीन नगर निवेशक प्रदीप वर्मा को पांच लाख रुपए की रिश्वत लिए जाने के मामले में जब्त राशि फरियादी धर्मेंद्र भारद्वाज को वापस देने का आदेश दिया है। न्यायाधीश साबिर अहमद खां ने इस शर्त पर राशि वापस करने के आदेश दिए हैं कि यदि फरियादी सुपुर्दगी बांड पेश करता है, तो बैंक खाते में जमा यह पैसा उसे लौटाया जाए। श्री भारद्वाज के अभिभाषक ने न्यायालय में यह आवेदन दिया था कि मामले में अभियोग पत्र पेश हो चुका है, जब्त दो हजार के 250 नोट न्यायालय में फोटो कापी कराने के बाद बैंक में जमा है, इस राशि की उन्हें आवश्यकता है। न्यायालय ने कहा कि जब्त राशि से जुड़े सभी जरूरी साक्ष्य पहले ही सुरक्षित कर लिए गए हैं। इसलिए अब इसे भौतिक रूप से साक्ष्य के तौर पर रखने की जरूरत नहीं है। ईओडब्ल्यू ने नगर निगम के तत्कालीन नगर निवेशक प्रदीप वर्मा को रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। उन्हें दो-दो हजार रुपए के 250 नोट के साथ पकड़ा गया था, जिनकी कुल कीमत पांच लाख रुपए थी। इसपर ईओडब्ल्यू ने प्रकरण क्रमांक 41/2020 दर्ज कर जांच के बाद न्यायालय में अभियोग पत्र पेश किया। न्यायालय ने निर्देश दिए हैं कि सुपुर्दगी बांड मिलने के बाद रिफंड वाउचर जारी कर पांच लाख रुपए फरियादी को वापस किए जाएं।

सम्पादकीय

बंगाल में बढ़ता घमासान

पश्चिम बंगाल की राजनीति में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। लगातार ऐसे प्रकरण घटित हो रहे हैं जिनकी वजह से चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। दूसरी तरफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ सक्रिय होना बता रहा है कि भाजपा यहां चुनाव जीतने के लिए साम, दाम, दंड, भेद सब कुछ अपना रही है। चुनाव आयोग और ईडी दोनों संवैधानिक संस्थाएं हैं और दोनों की साख तभी कायम रहेगी, जब बिना राजनैतिक दबाव के ये कार्य करती दिखाई दें। लेकिन प. बंगाल में ऐसा नहीं हो रहा है।पिछले हफ्ते ममता बनर्जी की टीएमसी के लिए चुनावी रणनीति बनाने वाली एजेंसी आईपैक के दफ्तर और उसके सहसंस्थापक प्रतीक जैन के घर ईडी ने अचानक दबिश दी। यह छापेमारी कोयला घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस के सिलसिले में दी गई थी और इसका कोई राजनैतिक मकसद नहीं था, ऐसा तर्क ईडी की तरफ से आया। जबकि टीएमसी का सीधा आरोप है कि यह राजनैतिक बदले की कार्रवाई थी और ईडी के जरिए अमित शाह टीएमसी की रणनीति चुराना चाहते हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरीके से इस छापेमारी का विरोध किया, इसके खिलाफ रैली निकाली इसकी उम्मीद भाजपा को नहीं रही होगी। ईडी ने पहले कलकत्ता हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट में टीएमसी के खिलाफ याचिका दी है कि उसने काम में बाधा डाली और ममता बनर्जी मौके पर आकर एक फाइल लेकर चली गईं। इधर टीएमसी ने भी हाईकोर्ट में याचिका दी थी। पिछले हफ्ते इस पर सुनवाई शुरू हुई, लेकिन भीड़ और हंगामे के कारण चल नहीं पाई। फिर बुधवार को फिर से सुनवाई हुई तो इसमें ईडी और भाजपा को बड़ा झटका लगा है। सुनवाई के दौरान ईडी की तरफ से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू बार-बार यही अपील करते रहे कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दाखिल है, इसलिए उस पर फैसला आने के बाद ही सुनवाई हो। राजू ने इस बात पर भी आपत्ति जाहिर की कि आई पैक की तरफ से अदालत में कोई मौजूद नहीं था। ईडी ने टीएमसी के आरोप खारिज करते हुए यह भी कहा कि उसने कोई दस्तावेज जब्त नहीं किए। सब कुछ ममता बनर्जी और उनके सहयोगी लेकर चले गए। इस पर टीएमसी की तरफ से पेश वकील मेनका गुरुस्वामी ने साफ कहा कि ईडी के इस बयान को दर्ज कर लिया जाए कि छापेमारी के दौरान कुछ भी जब्त नहीं किया गया। यानी भविष्य में अब ईडी किसी दस्तावेज को छापेमारी में बरामद सबूत के तौर पर पेश करना चाहे तो भी यह संभव नहीं होगा। क्योंकि ईडी ने खुद माना है कि उसने कुछ बरामद नहीं किया है। अदालत में टीएमसी ने आरोप लगाया कि ईडी राजनीतिक पार्टी के साथ मिलकर झूठे इल्जाम गढ़ रही है। फिलहाल ईडी की बार-बार अपील के बाद और टीएमसी की तरफ से दी गई दलीलों के बाद याचिका खारिज कर दी गई हैं, अब सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर क्या फैसला आता है, ये देखना होगा। हाईकोर्ट ने कहा है कि अगर ईडी चाहे तो सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद फिर आ सकती है। यानी जिस उम्मीद से ईडी की छापेमारी आईपैक पर करवाई गई थी और उसके बाद अदालत में भी टीएमसी को घेरने की कोशिश हुई थी, उसमें फिलहाल भाजपा को नाकामी हासिल हुई है। ममता बनर्जी अपने विरोधी को घेरने के लिए सड़क पर उतरना और लोगों को अपने साथ करने की राजनीति खूब जानती हैं। ईडी की छापेमारी प्रकरण ने ममता बनर्जी का ये कौशल भाजपा को याद दिला दिया है। अब सुप्रीम कोर्ट से अगर टीएमसी के खिलाफ फैसला आएगा, तो भी ममता बनर्जी उसे सहानुभूति के लिए इस्तेमाल कर लेंगी और अगर पक्ष में फैसला आता है, तब तो भाजपा की बड़ी हार तय है। यानी इस समय ममता बनर्जी के लिए चित भी मेरी और पट भी मेरी वाली स्थिति बन चुकी है। इधर एसआईआर पर भी ऐसे-ऐसे खुलासे हो रहे हैं, जिनसे चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। अर्मत्य सेन के बाद जादवपुर विवि के कुलपति को चुनाव आयोग ने पेश होने का नोटिस दिया है। वहीं मंगलवार को बांकुड़ा जिले के खतड़ा में टीएमसी कार्यकताओं ने एक वाहन जब्त किया, जिसमें एसआईआर के करीब 3,000 फॉर्म-7 भरे हुए थे। पुलिस ने वाहन को अपने कब्जे में ले लिया। घटना में दो भाजपा कार्यकताओं को गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि फार्म-7 का इस्तेमाल मतदाता सूची में किसी का नाम शामिल किए जाने का विरोध करने या किसी मृत या स्थानांतरित व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हटवाने के लिए किया जाता है। ममता बनर्जी ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में फार्म-7 ले जाने का उद्देश्य वैध मतदाताओं के नाम हटाना था। वहीं भाजपा ने सफाई में कहा कि हमारे बीएलए (बूथ स्तरीय एजेंट) जो बीएलओ (बूथ स्तरीय अधिकारी) को फॉर्म-7 जमा नहीं करा पाए थे, वे उन्हें ईआरओ (चुनाव पंजीकरण अधिकारी) कार्यालय में जमा कराने जा रहे थे। तृणमूल कार्यकताओं ने हमारे कार्यकताओं पर हमला किया। उनकी पिटाई की और फार्म छीन लिए। चुनाव आयोग ने भी कहा है कि फॉर्म उनकी वेबसाइट पर उपलब्ध है। कोई भी मतदाता फॉर्म-7 जमा कर सकता है।

शक्ति, रणनीति और शहादत का संगम है भारतीय सेना

देश की आजादी के बाद भारतीय सेना पांच बड़े युद्ध लड़ चुकी है, जिनमें चार पाकिस्तान के खिलाफ और एक चीन के साथ लड़ा था। देश की आजादी के बाद 1947-48 में हुए भारत-पाक युद्ध को कश्मीर युद्ध नाम से भी जाना जाता है, जिसके बाद कश्मीर का भारत में विलय हुआ था। प्रतिवर्ष 15 जनवरी को भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष हम 78वां सेना दिवस मना रहे हैं। सेना दिवस के अवसर पर पूरा देश थलसेना के अदम्य साहस, जांबाज सैनिकों की वीरता, शौर्य और उसकी शहादत को याद करता है। इस विशेष अवसर पर जवानों के दस्ते और अलग-अलग रेजीमेंट की परेड के अलावा झांकियां भी निकाली जाती हैं और उन सभी बहादुर सेनानियों को सलामी दी जाती है, जिन्होंने देश और लोगों की सलामती के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। 15 जनवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का विशेष कारण यही है कि 1899 में कर्नाटक के कुर्ग में जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल केएम करियप्पा आज ही के दिन वर्ष 1949 में भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ बने थे। उन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना की कमान संभाली थी। जनरल फ्रांसिस बुचर भारत के आखिरी ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ थे।1953 में वे भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए और 94 वर्ष की आयु में 1993 में उनका निधन हुआ। केएम करियप्पा दूसरे ऐसे सेना अधिकारी थे, जिन्हें फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई थी। भारतीय थल सेना का गठन ईस्ट इंडिया कम्पनी की सैन्य टुकड़ी के रूप में कोलकाता में 1776 में हुआ था, जो बाद में ब्रिटिश भारतीय सेना बनी और देश की आजादी के बाद इसे भारतीय थल सेना नाम दिया गया। भारतीय सेना की 53 छावनियां और 9 आर्मी बेस हैं और चीन तथा अमेरिका के साथ भारतीय सेना दुनिया की तीन सबसे बड़ी सेनाओं में शामिल है। हमारी सेना संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सबसे बड़ी योगदानकताओं में से एक है। यह दुनिया की कुछेक ऐसी सेनाओं में से एक है, जिसने कभी भी अपनी ओर से युद्ध की शुरूआत नहीं की। भारतीय सेना के ध्वज का बैकग्राउंड लाल रंग का है, ऊपर बायीं ओर तिरंगा झंडा, दायीं ओर भारत का राष्ट्रीय चिह्न और तलवार हैं। सेना दिवस के अवसर पर सेना प्रमुख को सलामी दी जाती रही है लेकिन 2020 में पहली बार सेना प्रमुख के स्थान पर देश के प्रथम सीडीएस बने जनरल बिपिन रावत को सलामी दी गई थी। देश की आजादी के बाद भारतीय सेना पांच बड़े युद्ध लड़ चुकी है, जिनमें चार पाकिस्तान के खिलाफ और एक चीन के साथ लड़ा था। देश की आजादी के बाद 1947-48 में हुए भारत-पाक युद्ध को कश्मीर युद्ध नाम से भी जाना जाता है, जिसके बाद कश्मीर का भारत में विलय हुआ था। 1962 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा धोखे से थाग-ला-रिज पर भारतीय सेना पर हमला बोल दिया गया था। उस जमाने में भातीय सेना के पास स्वचालित और आधुनिक हथियार नहीं होते थे, इसलिए चीन को रणनीतिक बढ़त मिली थी। 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद 1971 में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी। 13 दिनों तक चले उस युद्ध के बाद ही पाकिस्तान के टुकड़े कर बांग्लादेश का जन्म हुआ और पाकिस्तानी जनरल नियाजी के साथ 90 हजार पाक सैनिकों ने जांबाज भारतीय सेना के समक्ष हथियार डाल दिए थे। मई से जुलाई 1999 तक चले कारगिल युद्ध में तो भारतीय सेना ने पाकिस्तान को छठी का दूध याद दिला दिया था। आज पूरी दुनिया भारतीय सेना का लोहा मानती है। आधुनिक हथियारों और प्रौद्योगिकी के साथ भारतीय सेना एक विश्वस्तरीय सेना है। सेना दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर चीन द्वारा वर्तमान में लगातार पेश की जा रही चुनौतियों के दौर में भारतीय सेना की निरन्तर बढ़ती ताकत का उल्लेख करना बेहद जरूरी है। 2025 की ग्लोबल फायरपावर रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना की गिनती दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेनाओं में की जाती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय थल सेना के जखीरे में कई तरह के आधुनिक हथियार शामिल हैं, जिनमें आधुनिक टैंकों के साथ बैलिस्टिक मिसाइलें भी हैं। भारत की थल सेना के पास चार हजार से अधिक टैंक हैं। इसके अलावा भारतीय सेना के जखीरे में एक लाख से अधिक आर्म्ड व्हीकल भी शामिल हैं। थल सेना के पास 100 सेल्फ प्रोपेल्ड आर्टिलिरी, 3300 हल्की आर्टिलिरी भी हैं तथा थल सेना के बेड़े में करीब 1500 रॉकेट आर्टिलरी भी शामिल हैं। इतिहास भारतीय सैन्यबल में 14.45 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी हैं, जो दुनिया में दूसरे नंबर पर है। सेना में 12 लाख से ज्यादा आरक्षित बल तथा बीस लाख अर्धसैनिक बल हैं। भारतीय थलसेना में 4600 से ज्यादा टैंक टी-72, टी-90, अर्जुन एमके-1, अर्जुन एमके-2 इत्यादि टैंक, 5 हजार से ज्यादा तोपें, 290 स्वचालित तोपें, 290 से ज्यादा रॉकेट तोपें तथा 8600 बख्तरबंद वाहन शमिल हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय थलसेना हर परिस्थिति में चीनी सेना से बेहतर और अनुभवी है, जिसके पास युद्ध का बड़ा अनुभव है, जो कि विश्व में शायद ही किसी अन्य देश के पास हो। भले ही चीन के पास भारत से ज्यादा बड़ी सेना और सैन्य साजो-सामान है लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में दुनिया में किसी के लिए भी इस तथ्य को नजरअंदाज करना संभव नहीं हो सकता कि भारत की सेना को अब धरती पर दुनिया की सबसे खतरनाक सेना माना जाता है और सेना के विभिन्न अंगों के पास ऐसे-ऐसे खतरनाक हथियार हैं, जो चीनी सेना के पास भी नहीं हैं। धरती पर लड़ी जाने वाली लड़ाईयों के लिए भारतीय सेना की गिनती दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में होती है और कहा जाता है कि अगर किसी सेना में अंग्रेज अधिकारी, अमेरिकी हथियार और भारतीय सैनिक हों तो उस सेना को युद्ध के मैदान में हराना असंभव होगा। जापान के एक आकलन के मुताबिक भारतीय थलसेना चीन के मुकाबले ज्यादा मजबूत है।

केएम करियप्पा दूसरे ऐसे सेना अधिकारी थे, जिन्हें फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई थी। भारतीय थल सेना का गठन ईस्ट इंडिया कम्पनी की सैन्य टुकड़ी के रूप में कोलकाता में 1776 में हुआ था, जो बाद में ब्रिटिश भारतीय सेना बनी और देश की आजादी के बाद इसे भारतीय थल सेना नाम दिया गया। भारतीय सेना की 53 छावनियां और 9 आर्मी बेस हैं और चीन तथा अमेरिका के साथ भारतीय सेना दुनिया की तीन सबसे बड़ी सेनाओं में शामिल है। हमारी सेना संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सबसे बड़ी योगदानकताओं में से एक है। यह दुनिया की कुछेक ऐसी सेनाओं में से एक है, जिसने कभी भी अपनी ओर से युद्ध की शुरूआत नहीं की। भारतीय सेना के ध्वज का बैकग्राउंड लाल रंग का है, ऊपर बायीं ओर तिरंगा झंडा, दायीं ओर भारत का राष्ट्रीय चिह्न और तलवार हैं। सेना दिवस के अवसर पर सेना प्रमुख को सलामी दी जाती रही है लेकिन 2020 में पहली बार सेना प्रमुख के स्थान पर देश के प्रथम सीडीएस बने जनरल बिपिन रावत को सलामी दी गई थी। देश की आजादी के बाद भारतीय सेना पांच बड़े युद्ध लड़ चुकी है, जिनमें चार पाकिस्तान के खिलाफ और एक चीन के साथ लड़ा था। देश की आजादी के बाद 1947-48 में हुए भारत-पाक युद्ध को कश्मीर युद्ध नाम से भी जाना जाता है, जिसके बाद कश्मीर का भारत में विलय हुआ था। 1962 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा धोखे से थाग-ला-रिज पर भारतीय सेना पर हमला बोल दिया गया था। उस जमाने में भातीय सेना के पास स्वचालित और आधुनिक हथियार नहीं होते थे, इसलिए चीन को रणनीतिक बढ़त मिली थी। 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद 1971 में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी। 13 दिनों तक चले उस युद्ध के बाद ही पाकिस्तान के टुकड़े कर बांग्लादेश का जन्म हुआ और पाकिस्तानी जनरल नियाजी के साथ 90 हजार पाक सैनिकों ने जांबाज भारतीय सेना के समक्ष हथियार डाल दिए थे। मई से जुलाई 1999 तक चले कारगिल युद्ध में तो भारतीय सेना ने पाकिस्तान को छठी का दूध याद दिला दिया था। आज पूरी दुनिया भारतीय सेना का लोहा मानती है। आधुनिक हथियारों और प्रौद्योगिकी के साथ भारतीय सेना एक विश्वस्तरीय सेना है। सेना दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर चीन द्वारा वर्तमान में लगातार पेश की जा रही चुनौतियों के दौर में भारतीय सेना की निरन्तर बढ़ती ताकत का उल्लेख करना बेहद जरूरी है। 2025 की ग्लोबल फायरपावर रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना की गिनती दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेनाओं में की जाती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय थल सेना के जखीरे में कई तरह के आधुनिक हथियार शामिल हैं, जिनमें आधुनिक टैंकों के साथ बैलिस्टिक मिसाइलें भी हैं। भारत की थल सेना के पास चार हजार से अधिक टैंक हैं। इसके अलावा भारतीय सेना के जखीरे में एक लाख से अधिक आर्म्ड व्हीकल भी शामिल हैं। थल सेना के पास 100 सेल्फ प्रोपेल्ड आर्टिलिरी, 3300 हल्की आर्टिलिरी भी हैं तथा थल सेना के बेड़े में करीब 1500 रॉकेट आर्टिलरी भी शामिल हैं।

आवारा कुत्तों की समस्या: सख्ती और करुणा दोनों जरूरी

विपिन पब्बी

सुप्रीम कोर्ट फिलहाल आवारा कुत्तों के मुद्दे पर कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। जहां एक तरफ याचिकाएं आवारा कुत्तों के खतरे से निपटने के लिए अधिकारियों द्वारा सख्त कार्रवाई की मांग कर रही हैं, वहीं दूसरी तरफ याचिकाएं जानवरों के अधिकारों के पक्ष में हैं। यह एक साल में चौथी बार है, जब सर्वोच्च न्यायालय इस मामले पर विचार कर रहा है। पिछले साल कोर्ट की एक डिवीजन बैंच ने दिल्ली सरकार को नगर निगम क्षेत्रों से सभी आवारा कुत्तों को हटाने और उन्हें इंसानी बस्तियों से दूर डॉग शैल्टर में भेजने का आदेश देकर हलचल मचा दी थी। काफी हंगामे के बाद, सुप्रीम कोर्ट की एक दूसरी बैंच ने इस आदेश पर रोक लगा दी और कहा कि कोर्ट के पिछले आदेश को लागू करना संभव नहीं है। इसके बाद, एक और बैंच ने फैसले को पलट दिया और शैक्षणिक संस्थानों, खेल परिसरों, अस्पतालों और बाजारों जैसे सार्वजनिक स्थानों से सभी आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया। ताजा सुनवाई, जो कोर्ट ने खुद शुरू की थी, कई दिनों से चल रही है तथा कुछ और दिनों तक जारी रहने की संभावना है। निरूसंदेह यह एक गंभीर मुद्दा है और अधिकारी एक व्यवहार्य और प्रभावी समाधान खोजने में विफल रहे हैं। नैशनल सैंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एन.सी.जी.सी.) ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा था कि 2024 में कुत्तों के काटने के कुल मामले 37,17,336 थे, जबकि संदिग्ध मानव रैबीज से होने वाली मौतों की कुल संख्या 54 थी। इनमें पालतू कुत्तों के काटने के मामले भी शामिल हैं, लेकिन ऐसे मामले बहुत कम हैं। यह एक सच्चाई है कि बहुत से लोग, खासकर बुजुर्ग, कुत्तों के झुंड द्वारा हमला किए जाने के डर से टहलने के लिए बाहर जाने से हिचकिचाते हैं। ऐसे हमलों की संख्या, खासकर बच्चों पर, पूरे देश में बढ़ रही है। एक याचिका पर जवाब देते हुए, पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने सरकार को आवारा कुत्तों के काटने के मामलों में पीड़ितों को 10,000 रुपए की दर से मुआवजा देने का निर्देश दिया था। इसी तरह पालतू कुत्तों के मालिकों को भी पीड़ितों को उसी दर से मुआवजा देने का निर्देश दिया गया था। हालांकि यह एक थकाऊ प्रक्रिया है और अब तक बहुत कम लोगों ने दावा किया है। दूसरी ओर, कुत्ता प्रेमियों को आवारा कुत्तों को खाने की चीजें बांटते देखना आम बात है। कुछ लोग ऐसा हर दिन करते हैं और कुत्तों के झुंड उनके आने का इंतजार करते हैं। सोसाइटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्राइम्स अगेंस्ट एनिमल्स, जिसका गठन पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने किया था, जानवरों के खिलाफ अपराधों के मामलों को सक्रिय रूप से उठा रही है। कुछ लोग आवारा कुत्तों की संख्या में तेजी से बढ़ौतरी और कुत्ते के काटने के मामलों के लिए उन्हें और संगठन को भी दोषी ठहराते हैं। एनिमल बर्थ कंट्रोल (ए.बी.सी.) रूल्स, 2023, जिसमें आवारा कुत्तों की बजाय कम्युनिटी एनिमल्स शब्द का इस्तेमाल किया गया है, इन जानवरों को खाना खिलाने का प्रावधान करता है। यह रैजिडैंट वैल्फेयर एसोसिएशन या अपार्टमैंट ओनर्स एसोसिएशन या लोकल बॉडी के प्रतिनिधि की जिम्मेदारी होगी कि वे दया भाव से कम्युनिटी एनिमल्स को खाना खिलाने के लिए जरूरी इंतजाम करें। नियमों में बताया गया है कि खाना खिलाने की जगहें सीढियों, बिल्डिंग के एंट्री गेट और बच्चों के खेलने की जगह जैसी ज्यादा भीड़भाड़ वाली जगहों से दूर होनी चाहिएं और कम्युनिटी कुत्तों को तय समय पर खाना खिलाया जाना चाहिए। नियम मानते हैं कि ये कुत्ते बिना मालिक वाले घुसपैठिए नहीं, बल्कि इलाके के जीव हैं, जो अपने स्थानीय माहौल में रहते हैं और वहीं के हैं। जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एन.वी. अंजारिया, जो अभी इस मामले की सुनवाई कर रहे हैं, ने कहा है कि नगर निगम अधिकारी अब जवाबदेही से बच नहीं सकते, क्योंकि एनिमल बर्थ कंट्रोल (ए.बी.सी.) रूल्स, 2023 के तहत कानूनी जिम्मेदारियों का पालन करने में उनकी नाकामी ने संकट को और बढ़ा दिया है। बैंच ने संकेत दिया है कि वह राज्यों पर भारी मुआवजा लगाएगी और कुत्ते के काटने से चोट लगने या मौत के मामलों में आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वाले व्यक्तियों की भी जवाबदेही तय करेगी। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि ऐसे हमलों के अक्सर पूरी जिंदगी तक असर रहते हैं और सवाल किया कि आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वालों को जानवरों को अपने घरों या परिसर में रखकर जिम्मेदारी क्यों नहीं लेनी चाहिए? इसमें कोई शक नहीं कि आवारा कुत्तों का मुद्दा एक जटिल समस्या है, लेकिन इससे पूरी संवेदनशीलता के साथ निपटा जाना चाहिए। जाहिर है, सरकारों ने इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए नसबंदी के जरिए आधे अधूरे प्रयास किए गए हैं लेकिन जमीन पर इसका कोई साफ असर नहीं दिख रहा। सुप्रीम कोर्ट को जवाबदेही तय करनी चाहिए और आवारा कुत्तों की नसबंदी करके समस्या से निपटने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों की बारीकी से निगरानी की व्यवस्था करनी चाहिए। इसे उन दूसरे देशों द्वारा उठाए गए कदमों का भी अध्ययन करना चाहिए, जिन्होंने इस मुद्दे को सफलतापूर्वक संभाला है।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत का जीवंत प्रतीक है काशी-तमिल संगमम

नरेन्द्र मोदी

कुछ दिन पहले ही मुझे सोमनाथ की पवित्र भूमि पर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में हिस्सा लेने का सुअवसर मिला। इस पर्व को हम वर्ष 1026 में सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 साल पूरे होने पर मना रहे हैं। इस कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से भी हुई, जो इससे पहले सौराष्ट्र-तमिल संगमम के दौरान सोमनाथ आए थे और इससे पहले काशी-तमिल संगमम के समय काशी भी गए थे। ऐसे मंचों को लेकर उनकी सकारात्मक सोच ने मुझे बहुत प्रभावित किया। इसलिए मैंने तय किया कि क्यों न इस विषय पर अपने कुछ विचार सांझे करूं। मन की बात के एक एपिसोड के दौरान मैंने कहा था कि अपने जीवन में तमिल भाषा न सीख पाने का मुझे बहुत दुख है। यह हमारा सौभाग्य है कि बीते कुछ वर्षों से हमारी सरकार तमिल संस्कृति को देश में और लोकप्रिय बनाने में निरंतर जुटी हुई है। यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को और सशक्त बनाने वाला है। हमारी संस्कृति में संगम का बहुत महत्व है। इस पहलू से भी काशी-तमिल संगमम में जहां भारत की विविध परंपराओं के बीच अद्भुत सामंजस्य दिखता है, वहीं यह भी पता चलता है कि कैसे हम एक-दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हैं। काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी है, तो तमिलनाडु में रामेश्वरम तीर्थ है। तमिलनाडु की तेनकासी को दक्षिण की काशी या दक्षिण काशी कहा जाता है। पूज्य कुमारगुरुपर्र स्वामी जी ने अपनी विद्वता और अध्यात्म परंपरा के माध्यम से काशी और तमिलनाडु के बीच एक सशक्त और स्थायी संबंध स्थापित किया

था। तमिलनाडु के महान सपूत महाकवि सुब्रमण्यम भारती जी को भी काशी में बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक जागरण का अद्भुत अवसर दिखा। यहीं उनका राष्ट्रवाद और प्रबल हुआ, साथ ही उनकी कविताओं को एक नई धार मिली। यहीं पर स्वतंत्र और अखंड भारत की उनकी संकल्पना को एक स्पष्ट दिशा मिली। वर्ष 2022 में वाराणसी की धरती पर काशी-तमिल संगमम की शुरूआत हुई थी। मुझे इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। तब तमिलनाडु से आए लेखकों, विद्यार्थियों, कलाकारों, विद्वानों, किसानों और अतिथियों ने काशी के साथ-साथ प्रयागराज और अयोध्या के दर्शन भी किए थे। इसके बाद के आयोजनों में इस पहल को और विस्तार दिया गया। इसका उद्देश्य यह था कि संगमम में समय-समय पर नए विषय जोड़े जाएं, नए और रचनात्मक तरीके अपनाए जाएं और इसमें लोगों की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा हो। वर्ष 2023 के दूसरे आयोजन में टैक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया, ताकि यह सुनिश्चित हो कि भाषा इसमें बाधा न बने। इसके तीसरे संस्करण में इंडियन नॉलेज सिस्टम पर विशेष फोकस रखा गया। काशी-तमिल संगमम का चौथा संस्करण 2 दिसम्बर, 2025 को आरंभ हुआ। इस बार की थीम बहुत रोचक थी। तमिल करकलम-यानी तमिल सीखें। इससे काशी और दूसरी जगहों के लोगों को खूबसूरत तमिल भाषा सीखने का एक अनूठा अवसर मिला। तमिलनाडु से आए शिक्षकों ने काशी के विद्याध्थयों के लिए इसे अविस्मरणीय बना दिया! प्राचीन तमिल साहित्य ग्रंथ तोलकाप्पियम का 4 भारतीय और 6 विदेशी भाषाओं में अनुवाद किया गया। तेनकासी से काशी तक पहुंची एक विशेष व्हीकल एक्सपीडिशन भी देखने को मिली। इस अभियान में सांस्कृतिक एकता के संदेश का प्रसार करने वाले पांड्य वंश के महान राजा आदि वीर पराक्रम पांडियन जी को श्रद्धांजलि अघ्पत की गई। पूरे आयोजन के दौरान नमो घाट पर प्रदर्शनियां लगाई गईं, बी.एच.यू. में शैक्षणिक सत्र का आयोजन हुआ, साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। काशी-तमिल संगमम में इस बार हमारे युवा साथियों के उत्साह ने मुझे सर्वाधिक प्रसन्नता दी। इससे अपनी जड़ों से और अधिक जुड़े रहने के उनके पैशन का पता चलता है। उनके लिए यह एक ऐसा अद्भुत मंच है, जहां वे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं।यहां मैं काशी और उत्तर प्रदेश के अपने भाइयों और बहनों की सराहना करना चाहूंगा, जिन्होंने काशी-तमिल संगमम को विशेष बनाने में अपना अद्भुत योगदान दिया। उन्होंने अपने अतिथियों के स्वागत और सत्कार में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। कई लोगों ने तमिलनाडु से आए अतिथियों के लिए अपने घरों के दरवाजे तक खोल दिए। स्थानीय प्रशासन भी चौबीसों घंटे जुटा रहा, ताकि मेहमानों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। वाराणसी का सांसद होने के नाते मेरे लिए यह गर्व और संतोष दोनों का विषय है। इस बार काशी-तमिल संगमम का समापन समारोह रामेश्वरम में आयोजित किया गया, जिसमें तमिलनाडु के सपूत उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन जी भी मौजूद रहे।

गिग-वर्कर की सुध

गिग वर्कर्स की हड़ताल और उनके मुश्किल हालात को लेकर समाज में बढ़ती फिक्र के बाद हुए सरकारी हस्तक्षेप से गिग वर्कर्स की बड़ी मुश्किल हल हुई है। कोहरे-ठंड और बेतरतीब ट्रैफिक के बीच गिग-वर्कर्स पर दस मिनट में सामान उपभोक्ता तक पहुंचाने का दबाव एक बड़े तनाव की वजह बना हुआ था। गिग-वर्कर्स को हीमैन मानकर द्रुत गति से वाहन दौड़ाकर अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती थी। कुछ डिलीवरी ब्वॉयज के दुर्घटनाग्रस्त होकर जान गंवाने व घायल होने के भी समाचार थे। अब यह सुखद ही है कि केंद्रीय श्रममंत्री मनसुख मांडविया के हस्तक्षेप के बाद क्विक कॉमर्स कंपनियां कष्टदायक दस मिनट में डिलीवरी की व्यवस्था खत्म करने को तैयार हो गई हैं। इटर्नल के स्वामित्व वाली इकाई ब्लिंकिट, जिसने दस मिनट में डिलीवरी को अपने कारोबार की आक्रामक विज्ञापन रणनीति का हथियार बना लिया था, ने अब अपने मंचों से दस मिनट में डिलीवरी का दावा हटा लिया है। निश्चित रूप से यह अमानवीय ही था कि बेकारी का त्रास झेलते युवाओं पर आनन-फानन दस मिनट में सामान उपभोक्ता तक पहुंचाने का दबाव बनाया जाए। लंबी ड्यूटी, कम पैसा और जल्दी सामान पहुंचाने के दबाव में बड़ी संख्या में गिग-वर्कर्स काम छोड़ जाते थे। आजकल ठंड के मौसम में उपभोक्ता घर से बाहर निकलने से परहेज कर रहे हैं। अतरू उत्तर भारत में भीषण सर्दी और कोहरे के बीच दस मिनट में तेजी से सामान पहुंचाना दुष्कर कार्य था। भारत में आम ट्रैफिक की जटिल स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सड़क हादसों के कारण उनका जीवन जोखिम में बना रहता था। इतना ही नहीं, कई बार डिलीवरी ब्वॉयज को बहुमंजिला इमारतों और कालोनियों के सुरक्षा गार्डों से जूझना पड़ता था, जिससे उन्हें सामान पहुंचाने में देरी हो जाती थी। फिर उपभोक्ता के मोबाइल पर मिले ओटीपी के बाद उनका सामान डिलीवर माना जाता था। समय पर सामान की डिलीवरी न होने पर उनके कार्य प्रदर्शन का मूल्यांकन कमतर आंका जाता है। दरअसल, गिग वर्कर्स को अच्छी रैंक तभी मिलती है जब वे दस मिनट में सामान पहुंचा देते हैं, जिसके चलते वे मानसिक तनाव में रहते थे। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दस मिनट में डिलीवरी का दबाव झेलते तथा मेहनताने में कमी आदि मांगों को लेकर गिग-वर्कर्स ने देशव्यापी हड़ताल की थी। हालांकि, कंपनी मालिकों ने साल के आखिरी दिनों में उत्सव के माहौल में डिलीवरी बाधित होते देख हड़ताल को कामयाब नहीं होने दिया, लेकिन इस हड़ताल से पूरे देश का ध्यान गिग-वर्कर्स की जायज मांगों की तरफ गया। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा समेत कई राजनेताओं ने भी गिग-वर्कर्स के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया। पिछले दिनों ध्यान आकर्षण के लिए बाकायदा राघव चड्ढा डिलीवरी ब्वॉय की ड्रेस पहनकर सामान डिलीवर करने भी गए। निस्संदेह, डिलीवरी ब्वॉयज का काम बेहद चुनौतीपूर्ण है, काम के घंटे बहुत ज्यादा हैं और उसके अनुपात में मेहनताना बेहद कम है। इन्हीं चिंताओं के बाद केंद्र सरकार द्वारा लाया गया नया लेबर कोड चर्चा में आया, जिसमें उल्लेख है कि गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें पर्याप्त सुविधाएं नियोक्ता कंपनी द्वारा दी जाएं। यह विडंबना ही है कि गिग वर्कर्स की मेहनत से क्विक कॉमर्स कंपनियों का कारोबार तो तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन गिग वर्कर्स की माली हालत नहीं सुधरी है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में गिग वर्कर्स थोड़े समय काम करके नौकरी छोड़ देते हैं। निर्विवाद रूप से आज जरूरी है कि गिग वर्कर्स ही नहीं, तमाम असंगठित क्षेत्र के कामगारों को अविलंब सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया जाए। उन्हें बीमा, न्यायोचित काम के घंटे, समय पर समुचित भुगतान व चिकित्सा आदि सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इस दिशा में कानून बनाना ही काफी नहीं होगा, जरूरत लगातार इस बात की निगरानी की भी होगी कि धरातल पर इन कानूनों का कितना अमल हो रहा है। निश्चित रूप से असंगठित क्षेत्र के हर कामगार की सुध ली जानी चाहिए। तभी देश में श्रम की गरिमा स्थापित हो सकेगी। यही देश की युवा श्रमशक्ति का भी सम्मान होगा।

छावनी क्षेत्रों को नगर निगमों में मिलाने के पक्ष में नहीं यूपी सरकार

लखनऊ (संवाददाता)। राज्य सरकार कैंटोनमेंट छावनी क्षेत्रों को नगर निगमों में शामिल करने के पक्ष में नहीं है। सरकार चाहती है, कैंटोनमेंट क्षेत्रों की अलग पहचान व व्यवस्था बनी रहे। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने केंद्रीय बजट के संबंध में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा दिल्ली में बुलाई गई बैठक में कहा था कि कैंटोनमेंट क्षेत्र पृथक वैधानिक व्यवस्था के तहत संचालित होते हैं और सुव्यवस्थित, स्वच्छ तथा अनुशासित क्षेत्र होते हैं। इन्हें नगर निगमों में शामिल करना अनावश्यक अव्यावहारिक तथा प्रशासनिक जटिलताओं को जन्म देगा। खन्ना ने कहा कि भारतीय रेल की काफी जमीन अनुपयोगी या उस पर अवैध कब्जा है। भूमि को जनहित में उपयोग करने की राज्यों को अनुमति नहीं है। जनहित के लिए राज्यों को उसका उपयोग करने की सरल एवं व्यावहारिकअनुमति दी जाए। प्रदेश की पुलिस इकाइयों में श्एकीकृत शस्त्र एवं गोला बारूद प्रबंधन प्रणालीश की स्थापना करने की बात भी रखी। यूपी जैस बड़े व संवेदनशील राज्यों में पुलिस बल को प्रभावी बनाने, आधुनिकीकरण के लिए शस्त्रों व गोला बारूद के वैज्ञानिक, सुरक्षित, पारदर्शिता प्रबंधन कीआवश्यकता है प्रदेश में सौर अनुसंधान केंद्र की स्थापना की बात रखते हुए केंद्र सरकार से सहायता देने की मांग की।

प्रेग्नेंसी में मॉर्निंग सिकनेस क्यों बढ़ जाती है? खाने की खुशबू से क्यों आती है उल्टी, जानिए वजह

गर्भावस्था के शुरूआती महीनों में अधिकतर महिलाओं को मॉर्निंग सिकनेस की समस्या होती है। इसमें सुबह के समय उल्टी, जी मिचलाना, थकान और खाने की खुशबू से बेचैनी महसूस होना आम है। यह कोई बीमारी नहीं, बल्कि शरीर में हो रहे प्राकृतिक बदलावों का असर होता है। इस समय महिला का शरीर नए हार्मोनल बदलावों के साथ तालमेल बिठा रहा होता है, जिससे पाचन तंत्र कमजोर और भावनाएं अधिक संवेदनशील हो जाती हैं।

वैज्ञानिक नजरिए से मॉर्निंग सिकनेस का कारण

वैज्ञानिक रूप से देखा जाए तो गर्भावस्था के दौरान एचसीजी हार्मोन यानी मन कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन तेजी से बढ़ता है। यह हार्मोन मस्तिष्क के उस हिस्से को सक्रिय करता है, जो उल्टी और मतली को नियंत्रित करता है। इसके अलावा ब्लड शुगर का कम होना और सूंघने की क्षमता का बढ़ जाना भी मतली को बढ़ा देता है। यही कारण है कि कई महिलाओं को भोजन की खुशबू से भी परेशानी होने लगती है।

मॉर्निंग सिकनेस के आम लक्षण

मॉर्निंग सिकनेस के दौरान सुबह उठते ही उल्टी आना, जी मिचलाना, मुंह में कड़वाहट, चक्कर आना, अत्यधिक थकान, हल्का बुखार जैसा महसूस होना और पेट में जलन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। खाली पेट रहने पर ये लक्षण और अधिक तेज हो सकते हैं। हालांकि अधिकतर मामलों में यह समस्या कुछ समय बाद अपने आप कम हो जाती है।

आयुर्वेद क्या कहता है?

आयुर्वेद के अनुसार गर्भावस्था में पित्त दोष बढ़ जाता है और मन अस्थिर हो जाता है। पित्त दोष के बढ़ने से पाचन अग्नि कमजोर होती है, जिससे मतली और उल्टी की समस्या उत्पन्न होती है। आयुर्वेद मानता है कि सही जीवनशैली, संतुलित आहार और घरेलू उपायों से इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

अदरक से मिलेगी राहत

आयुर्वेद में अदरक को मॉर्निंग सिकनेस के लिए बेहद प्रभावी माना गया है। सुबह उठते ही हल्का अदरक पानी पीने से पाचन तंत्र मजबूत होता है और जी मिचलाने की समस्या कम होती है। कुछ महिलाएं थोड़ी मात्रा में अदरक चबाकर भी राहत महसूस करती हैं।

नींबू और शहद का असर

गुनगुने पानी में नींबू और शहद मिलाकर पीने से भी मॉर्निंग सिकनेस में आराम मिलता है। नींबू पित्त दोष को शांत करता है और शहद शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है। हालांकि जिन महिलाओं को पेट में अधिक जलन होती है, उन्हें नींबू का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

इलायची की खुशबू से आराम

इलायची की खुशबू मतली को तुरंत कम करने में मदद करती है। इलायची चबाने से या इलायची को पानी में उबालकर पीने से राहत मिल सकती है। यह उपाय आसान है और कहीं भी अपनाया जा सकता है।

योग और प्राणायाम की भूमिका

हल्के योग और प्राणायाम अभ्यास मॉर्निंग सिकनेस को कम करने में सहायक होते हैं। धीमी और गहरी सांसें लेना, कुछ मिनट ध्यान करना और मन को शांत रखना पित्त दोष को संतुलित करता है। हालांकि तेज योगासन या झटके देने वाले व्यायाम से बचना चाहिए।

खान-पान में क्या रखें ध्यान

गर्भावस्था के दौरान बहुत तला-भुना, मसालेदार और भारी भोजन करने से बचना चाहिए। दिन में थोड़ी-थोड़ी मात्रा में भोजन करना बेहतर होता है। सुबह उठते ही हल्का नाश्ता करने से पेट खाली नहीं रहता और मतली कम होती है। गुनगुना पानी पीना फायदेमंद माना जाता है, जबकि बहुत ठंडा पानी नुकसान पहुंचा सकता है।

कब डॉक्टर से संपर्क करें

अगर मतली बहुत ज्यादा हो, लगातार उल्टी हो, पेशाब कम आए या अत्यधिक कमजोरी महसूस हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। यह गंभीर स्थिति का संकेत हो सकता है और समय पर इलाज जरूरी होता है। मानसिक शांति भी है जरूरी तनाव और चिंता से मॉर्निंग सिकनेस की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए गर्भावस्था के दौरान मानसिक शांति बनाए रखना बेहद जरूरी है। शांत संगीत सुनना, गहरी सांसें लेना और आरामदायक माहौल बनाना इस दौरान बहुत मददगार साबित होता है।

गर्म पानी से स्किन ड्राई हो रही है? ये तरीके अपनाएं और त्वचा को बनाएं मक्खन सा सॉफ्ट

सर्दी के मौसम में गर्म पानी से नहाना शरीर को काफी राहत पहुंचाता है, लेकिन इसकी वजह से शरीर काफी रूखा हो जाता है। ऐसे में हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे नुस्खे जो स्किन के रूखेपन को दूर कर सकते हैं। सर्दी का मौसम है। भीषण सर्दी की वजह से लोगों का घर से निकलना काफी मुश्किल हो रहा है। ऐसे में लोग बर्तन धोने से लेकर नहाने तक के लिए गर्म पानी इस्तेमाल कर रहे हैं। गर्म पानी से नहाना बहुत ही आरामदायक लगता है, लेकिन अगर आपकी त्वचा अक्सर रूखी और खुरदरी लगती

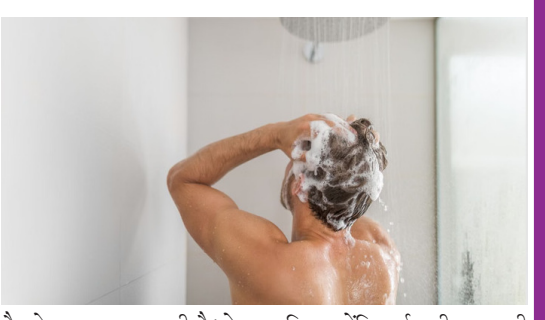

है, तो इसका कारण यही है। ऐसा इसलिए क्योंकि गर्म पानी त्वचा की प्राकृतिक नमी और तेल को खत्म कर देता है, जिससे त्वचा डल और संवेदनशील हो जाती है। विशेष रूप से ठंडी और शुष्क मौसम में ये समस्या और बढ़ जाती है। इसलिए नहाने के तरीके और स्किनकेयर रूटीन में छोटे बदलाव त्वचा को हाइड्रेटेड और मुलायम बनाए रख सकते हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे आप रूखी त्वचा की समस्या को दूर कर सकते हैं और नहाने के बाद भी अपनी त्वचा को स्वस्थ और नर्म रख सकते हैं।

नहाने के बाद मॉइश्चराइज करें

नहाने के तुरंत बाद मॉइश्चराइज करना बहुत जरूरी है क्योंकि नहाने से त्वचा की प्राकृतिक नमी कम हो जाती है।

त्वचा का हाइड्रेशन बनाए रखने के लिए नहाने के तुरंत बाद हल्की क्रीम, लोशन या तेल लगाएं।

नारियल तेल, जोजोबा तेल या शिया बटर जैसी प्राकृतिक चीजें सूखी त्वचा के लिए बेहतर विकल्प हैं।

नियमित मॉइश्चराइजिंग से त्वचा मुलायम रहती है और ड्राईनेस, खुरदरापन और झुर्रियों की संभावना कम होती है।

सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें

धूप में बाहर जाने से पहले हमेशा वश्अ और वश्ब् प्रोटेक्शन वाला सनस्क्रीन लगाना चाहिए।

सूरज की किरणें त्वचा की नमी को कम करती हैं और समय से पहले उम्र बढ़ने के लक्षण दिखा सकती हैं।

सनस्क्रीन न केवल त्वचा को जलन और डार्क स्पॉट से बचाता है बल्कि रूखी और बेजान त्वचा होने से भी रोकता है।

केमिकल्स से बचें

गर्म पानी के साथ ज्यादा साबुन या बॉडी वॉश का इस्तेमाल करने से त्वचा की प्रोटेक्टिव लेयर डैमेज हो सकती है।

ऐसे में माइल्ड, फ्रेग्नेंस-फ्री क्लेंजर का इस्तेमाल करना बेहतर है।

इससे त्वचा की नमी बनी रहती है और जलन या एलर्जी का खतरा कम होता है।

स्क्रब कम करें

त्वचा पर बहुत ज्यादा स्क्रब करने से उसकी नेचुरल प्रोटेक्टिव लेयर हट सकती है।

सप्ताह में 1झ्2 बार हल्का स्क्रब करना पर्याप्त है।

इसके लिए प्राकृतिक स्क्रब जैसे ओट्स या हल्की बॉडी स्क्रब का इस्तेमाल करें।

इससे मृत कोशिकाएं हटती हैं लेकिन त्वचा की नमी बनी रहती है।

गुनगुना पानी इस्तेमाल करें

बहुत गर्म पानी त्वचा की प्राकृतिक नमी कम कर देता है और उसे रूखा बना सकता है।

नहाने के लिए हमेशा हल्का गुनगुना पानी इस्तेमाल करें।

ये त्वचा को आराम देता है, लालिमा कम करता है और नमी बनाए रखने में मदद करता है।

बार-बार घर में घुस आता है चूहा? तो यहां जानें बिना मारे भगाने के तरीके

अगर आपके घर में भी बार-बार चूहा घुस आता है तो आप कुछ तरीकों की मदद से उसे घर से बाहर भगा सकते हैं और वो भी बिना मारे। इस खबर में आप इस बारे में जान सकते हैं। कौन नहीं चाहता कि उनका घर साफ रहे और जो भी आए उनके घर की तारीफ करे। पर कई मर्तबा किन्हीं कारणों की वजह से घर में गंदगी हो जाती है और अगर गलती से किचन-बाथरूम में कॉकरोच जैसे दूसरे कोई कीट-पतंग आ जाए, तो ये बड़ी गंदगी फैलाते हैं। ठीक ऐसे ही लोग चूहों से भी बड़े परेशान नजर आते हैं। दरअसल, ये घर में घुस आते हैं और फिर घर के किसी कोने में जाकर अपना डेरा डाल लेते हैं।

यही नहीं, चूहे नुकसान भी काफी पहुंचाते हैं। कपड़े काटना, कागज काटना और खाने की चीजों में मुंह मारना आदि। इसलिए हर कोई चूहों को घर से बाहर भगाने के लिए कई तरीके अपनाता है। पर कई मर्तबा ये तरीके काम नहीं करते। इसलिए आप यहां कुछ घरेलू तरीकों के बारे में जान सकते हैं, जो चूहों को बिना मारे घर से भगाने में आपकी मदद कर सकते हैं। चलिए जानते हैं इन तरीकों के बारे में...

पहला तरीका

पहले प्याज का रस निकाल लें

फिर इसे स्प्रे बोतल में भरें

जहां पर चूहा दिखा या घर के कोनों में रस का छिड़काव करें

चूहों को प्याज की तेज स्मेल पसंद नहीं होती जिससे वे घर से बाहर भाग सकते हैं

चूहा भगाने का क्या है दूसरा तरीका?

कपूर की गंध चूहों को पसंद नहीं होती

इसलि कपूर की कुछ टिकिया को घर के कोनों में रख दें

जहां पर चूहा अक्सर दिखाई देता है या जहां वो छिपा हो, वहां भी कपूर रख सकते हैं

इससे चूहा घर के बाहर भाग सकता है

क्या है तीसरा तरीका?

डायबिटीज का हर चौथा मरीज भारत से, सेहत से लेकर जेब तक सबपर पड़ रहा इस बीमारी का असर

द लैंसेट जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया के एक चौथाई से ज्यादा डायबिटिक लोग भारत में रहते हैं। अमेरिका के बाद भारत दूसरा ऐसा देश है जिसे डायबिटीज के कारण सबसे ज्यादा आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। भारतीय आबादी में जिन क्रॉनिक बीमारियों के मामले सबसे तेजी से बढ़ते हुए देखे जा रहे हैं, उनमें डायबिटीज प्रमुख है। हाई ब्लड शुगर वाली ये समस्या यहां जिस गति से लोगों को अपना शिकार बनाती जा रही है, इसे देखते हुए भारत को 'डायबिटीज कैपिटल' कहा जाने लगा है। डायबिटीज सिर्फ खून में ग्लूकोज बढ़ने की समस्या नहीं है। धीरे-धीरे ये स्थिति आपकी आंखों, किडनी, लिवर, पाचन तंत्र और रोग प्रतिरोधक क्षमता सभी को नुकसान पहुंचाने लगती है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में डायबिटीज एक बड़ी महामारी बनती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में एक अनुमान के मुताबिक 18 साल से ज्यादा उम्र के 77 मिलियन (7.7 करोड़) लोग टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित हैं। लगभग 2.5 करोड़ लोग प्रीडायबिटिक हैं जिन्हें भविष्य में डायबिटीज होने का ज्यादा खतरा है। 50% से ज्यादा लोगों को अपनी डायबिटिक स्थिति के बारे में पता नहीं

है, जिससे अगर इसका जल्दी पता लगाकर इलाज न किया जाए तो स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं। डायबिटीज की बीमारी न सिर्फ स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा रही है, साथ ही इसके कारण आर्थिक बोझ भी बढ़ता जा रहा है।

डायबिटीज का आर्थिक बोझ

डायबिटीज पर कौन से देश का कितना पैसा खर्च हो रहा है, इसके लेकर हाल ही में सामने आई रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के बाद भारत दूसरा ऐसा देश है जिसे डायबिटीज के कारण सबसे ज्यादा आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। भारत पर इस बीमारी का बोझ 11.4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है। अमेरिका को सबसे ज्यादा 16.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का खर्च उठाना पड़ता है वहीं चीन तीसरे नंबर पर है, जिसका खर्च 11 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है। नवंबर 2024 में द लैंसेट जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया के एक चौथाई से ज्यादा डायबिटिक लोग भारत में रहते हैं।

दुनिया की जीडीपी का 1.7% होता है डायबिटीज पर खर्च

ऑस्ट्रिया में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एप्लाइड सिस्टम्स एनालिसिस और वियना यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस के शोधकताओं ने साल 2020 से 2050 तक 204 देशों में डायबिटीज के आर्थिक असर का हिसाब लगाया। नेचर मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित इस रिपोर्ट के अनुसार, परिवार के सदस्यों द्वारा दी जाने वाली अनौपचारिक देखभाल को छोड़कर, कुल वैश्विक लागत लगभग 10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है, जो दुनिया के सालाना सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 0.2 प्रतिशत है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अनौपचारिक देखभाल को शामिल करने पर यह राशि 152 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक हो सकती है जो दुनिया के सालाना जीडीपी का 1.7 प्रतिशत है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

वियना यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस में प्रोफेसर और अध्ययन के लेखक क्लॉस प्रेटनर कहते हैं, भारत और चीन के लिए, डायबिटीज पर होने वाला खर्च मुख्य रूप से इस रोग से प्रभावित बड़ी आबादी के कारण है।

रोजाना खाई जाने वाली ये चीजें बढ़ा सकती हैं कैंसर का खतरा, कहीं आपके 'प्लेट में जहर' तो नहीं?

कैंसर अचानक होने वाली बीमारी नहीं है, बल्कि यह वर्षों तक गलत जीवनशैली और खानपान का नतीजा है। यही वजह है कि यह जानना बेहद जरूरी हो जाता है कि हमारी रोजमर्रा की थाली में कौन-सी चीजें धीरे-धीरे कैंसर के खतरे को बढ़ा रही हैं। शरीर को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो सबसे पहले अपनी लाइफस्टाइल और आहर में सुधार कर लें, दुनियाभर के स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को यही सलाह देते हैं। असल में डायबिटीज, हृदय रोग, ब्लड प्रेशर हो या कैंसर इन सभी बीमारियों के लिए लाइफस्टाइल की गड़बड़ी को प्रमुख कारण माना जाता रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कैंसर के जोखिमों को लेकर अलर्ट करते हैं, इसके कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर भी अतिरिक्त दबाव भी बढ़ रहा है। बच्चों में बढ़ते कैंसर के मामले विशेष रूप से चिंता का विषय हैं, क्योंकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह विकसित नहीं होती। ऐसे में यह जानना बेहद जरूरी हो जाता है कि आखिर कैंसर क्यों बढ़ रहा है और इसकी रोकथाम के लिए आहार में किस तरह का बदलाव जरूरी है?

कैंसर से बचाव के लिए खान-पान में करें सुधार

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, फास्ट फूड, प्रोसेस्ड और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों का बढ़ता सेवन लोगों में कैंसर के साथ कई अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। इनमें मौजूद प्रिजर्वेटिव, ट्रांस फैट और रसायन शरीर में कैंसरकारी तत्वों को बढ़ाते हैं। इसके अलावा तंबाकू और शराब के सेवन की आदत भी कैंसर का कारण बन सकती है।

प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड्स हैं नुकसानदायक

प्रोसेस्ड फूड जैसे चिप्स, इंस्टेंट नूडल्स और पैकेज्ड स्नैक्स में प्रिजर्वेटिव, आर्टिफिशियल फ्लेवर और ट्रांस फैट की मात्रा अधिक होती है। इन खाद्य पदार्थों में मौजूद रसायन शरीर में कैंसरकारी तत्वों को बढ़ाने वाले हो सकते हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि प्रोसेस्ड फूड का सेवन करने से पेट और आंत के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

प्रोसेस्ड और रेड मीट कम खाएं

अगर आप भी अक्सर रीड मीट खाते हैं तो भी सावधान हो जाइए। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने प्रोसेस्ड मीट को कैंसरकारक श्रेणी में रखा है। इनमें मौजूद केमिकल प्रिजर्वेटिव और अधिक वसा आंतों की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं।

महंगी क्रीम नहीं, किचन में रखा ये जादुई तेल कर सकता है स्ट्रेच मार्क गायब

स्ट्रेच मार्क होना कोई बीमारी नहीं है, लेकिन पेट, जांघ, हिप्स, बाजू या पीठ के निचले हिस्से पर दिखने वाली ये लकीरें कई लोगों को असहज कर देती हैं। वजन तेजी से बढ़ने या घटने, प्रेग्नेंसी, हार्मोनल बदलाव या मसल्स ग्रोथ के कारण स्ट्रेच मार्क आम समस्या बन चुके हैं। अक्सर लोग इन्हें हटाने के लिए महंगी क्रीम और ट्रीटमेंट का सहारा लेते हैं, जो तुरंत असर का दावा तो करते हैं, लेकिन हर किसी के लिए लंबे समय तक इतना खर्च करना आसान नहीं होता। अच्छी बात यह है कि स्ट्रेच मार्क की देखभाल घर पर भी की जा सकती है, वो भी आसान और किफायती घरेलू तरीकों से।

स्ट्रेच मार्क के लिए क्यों असरदार है कैस्टर ऑयल?

कैस्टर ऑयल एक गाढ़ा और पोषक तत्वों से भरपूर तेल है, जिसका इस्तेमाल पुराने समय से स्किन और बालों की देखभाल में किया जाता रहा है। इसमें मौजूद फैटी एसिड और मॉइश्चराइजिंग गुण त्वचा को नमी प्रदान करते हैं और ड्राईनेस कम करने में मदद करते हैं। नियमित मसाज से त्वचा मुलायम बनी रहती है और

खिंचाव कम महसूस होता है, जिससे स्ट्रेच मार्क धीरे-धीरे हल्के पड़ सकते हैं।

कैस्टर ऑयल से स्ट्रेच मार्क पर मसाज करने का सही तरीका

रात में सोने से पहले थोड़ा सा कैस्टर ऑयल हल्का गुनगुना कर लें।

अब स्ट्रेच मार्क वाली जगह पर उंगलियों से गोल-गोल घुमाते हुए 10 से 15 मिनट तक हल्की मसाज करें।

मसाज के बाद उस हिस्से को सूती कपड़े से ढक लें और रात भर ऐसे ही छोड़ दें।

सुबह गुनगुने पानी से त्वचा को साफ कर लें।

रोजाना इस तरीके को अपनाने से कुछ हफ्तों में फर्क महसूस हो सकता है।

नींबू के रस के साथ कैस्टर ऑयल

नींबू का रस त्वचा को साफ करने और रंगत को निखारने में मदद करता है।

कैसे इस्तेमाल करें

एक चम्मच कैस्टर ऑयल में 4-5 बूंद ताजा नींबू का रस मिलाएं।

इस मिश्रण को स्ट्रेच मार्क पर हल्के हाथ से लगाएं और 15 मिनट बाद सादे पानी से धो लें।

इस उपाय को हफ्ते में 2 से 3 बार अपनाया जा सकता है।

एलोवेरा और कैस्टर ऑयल का मेल

एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक देता है और स्किन रिपेयर में मदद करता है।

कैसे करें इस्तेमाल

दो चम्मच ताजा एलोवेरा जेल में एक चम्मच कैस्टर ऑयल मिलाएं।

इस पेस्ट को स्ट्रेच मार्क पर लगाकर 20 मिनट तक छोड़ दें, फिर हल्के हाथ से साफ कर लें।

यह तरीका त्वचा को सॉफ्ट और हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है।

ध्यान रखने वाली जरूरी बातें

कैस्टर ऑयल बहुत गाढ़ा होता है, इसलिए कम मात्रा में ही इस्तेमाल करें

पहली बार लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें

नियमित इस्तेमाल से ही असर दिखता है, बीच में रुकना ठीक नहीं

पर्याप्त पानी पिएं और संतुलित आहार लें।

बहुत पुराने स्ट्रेच मार्क पूरी तरह खत्म नहीं होते, लेकिन हल्के जरूर हो सकते हैं।

स्ट्रेच मार्क हटाने के लिए कोई भी घरेलू उपाय रातों-रात चमत्कार नहीं करता। लेकिन सही देखभाल, नियमितता और धैर्य के साथ घरेलू तेल त्वचा की बनावट सुधारने में जरूर मदद कर सकते हैंअगर स्ट्रेच मार्क बहुत ज्यादा हैं या खुजली-जलन हो रही है, तो त्वचा के डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर रहेगा।

मायावती की प्रेस कॉन्फ्रेंस में शॉर्ट सर्किट, धुआं से अफरा-तफरी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में बसपा प्रमुख मायावती के जन्मदिन पर कार्यक्रम के दौरान बड़ा हादसा होते-होते बचा। मायावती की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अचानक हॉल में शॉर्ट सर्किट हो गया जिससे बिजली के बोर्ड से चिंगारियां निकलने लगीं और धुआं फैल गया। घटना उस समय हुई, जब प्रेस वार्ता समाप्त होने वाली थी। अचानक हुई घटना से हॉल में पत्रकारों, नेताओं, कार्यकताओं में अफरातफरी मच गई। सुरक्षा व्यवस्था की सतर्कता और कार्रवाई के चलते स्थिति पर तुरंत काबू पा लिया गया। जैसे ही बिजली के बोर्ड में शॉर्ट सर्किट हुआ, तेज चिंगारियों के साथ धुएं का गुबार उठने लगा। कुछ ही पलों में पूरा हॉल धुएं से भर गया जिससे वहां मौजूद लोग घबरा गये। मायावती की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला। सुरक्षा घेरे ने फुर्ती से पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को सुरक्षित रूप से हॉल से बाहर निकाला और उनके आवास की ओर ले गए। त्वरित कार्रवाई के कारण किसी भी तरह की बड़ी घटना होने से बच गया। शॉर्ट सर्किट की सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद सुरक्षा टीम और बिजली विभाग के कर्मचारियों ने तुरंत कार्रवाई की।

गुजरात जाएंट्स के सामने शीर्ष पर चल रही आरसीबी को रोकने की चुनौती, स्मृति मंधाना पर रहेंगी नजरें

नवी मुंबई (एजेंसी)। गुजरात जाएंट्स और आरसीबी के बीच शुक्रवार को डब्ल्यूपीएल का मुकाबला खेला जाएगा। प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में शुक्रवार को शीर्ष पर चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की मुश्किल चुनौती होगी। खिसक गई, जबकि आरसीबी की पूर्व चैंपियन टीम लगातार जीत के साथ शीर्ष पर पहुंच गई। आरसीबी की टीम प्रत्येक मैच के

आरसीबी की टीम अच्छी फॉर्म में है और गुजरात के लिए उसे रोकना आसान नहीं रहेगा। गुजरात जाइंट्स के सामने महिला कुछ समय तक शीर्ष पर रहने के बाद गुजरात जाएंट्स की टीम मंगलवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार के बाद तीसरे स्थान पर साथ मजबूत हो रही है। उसने यूपी वारियर्स के खिलाफ 144 रन के लक्ष्य को 13 ओवर से भी कम समय में हासिल कर लिया। मंधाना का फॉर्म में लौटना सकारात्मक पहलू आरसीबी के लिए सबसे सकारात्मक चीज कप्तान स्मृति मंधाना का फॉर्म में लौटना है। स्मृति ने धैर्य के साथ एक छोर संभाला जबकि उनकी सलामी जोड़ीदार ग्रेस हैरिस ने तूफानी बल्लेबाजी की। गुजरात को आरसीबी के मजबूत बल्लेबाजी क्रम को रोकने का तरीका खोजना होगा जिसमें फॉर्म में चल रही नादिने डि क्लर्क और खतरनाक ऋचा घोष भी शामिल हैं। गुजरात की टीम मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली हार से उबरने की कोशिश कर रही है। गुजरात को कनिका से अच्छे प्रदर्शन की आस गुजरात जाइंट्स के लिए सकारात्मक चीज अनुष्का शर्मा की चोट के बाद तीसरे नंबर पर कनिका आहूजा का अच्छा प्रदर्शन है। पहले मैच में बाहर रहने और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के बाद कनिका ने मुंबई के खिलाफ तीसरे नंबर पर खेलते हुए 35 रन की पारी में चार चौके और दो छक्के जड़कर प्रभावित किया। आयुषी सोनी के रिटायर्ड आउट होने के बाद भारती फुलमाली ने भी कुछ अच्छे शॉट खेलकर अपनी क्षमता दिखाई। हालांकि अगर गुजरात को आरसीबी की बल्लेबाजी ताकत का मुकाबला करना है तो उन्हें सोफी डिवाइन, बेथ मूनी और कप्तान एशले गार्डनर जैसे स्थापित नामों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। टीम की गेंदबाजों को भी प्रदर्शन में सुधार करना होगा। रेणुका सिंह और काशवी गौतम दोनों मुंबई की शीर्ष क्रम की बल्लेबाजों के खिलाफ प्रभाव छोड़ने में असफल रही थी। दोनों टीमें इस प्रकार हैंः गुजरात जाएंट्सः एश्ले गार्डनर (कप्तान), बेथ मूनी, सोफी डिवाइन, रेणुका सिंह ठाकुर, भारती फुलमाली, तितास साधु, काशवी गौतम, कनिका आहूजा, तनुजा कंवर, जॉर्जिया वेयरहैम, अनुष्का शर्मा, हैप्पी कुमारी, किम गार्थ, यस्तिका भाटिया, शिवानी सिंह, डैनी वाट हॉज, राजेश्वरी गायकवाड़ और आयुषी सोनी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः स्मृति मंधाना (कप्तान), ऋचा घोष, श्रेयंका पाटिल, जॉर्जिया वोल, नादिने डि क्लर्क, राधा यादव, लॉरेन बेल, लिन्से स्मिथ, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, पूजा वस्त्राकर, ग्रेस हैरिस, गौतमी नाइक, प्रत्यूशा कुमार, डी. हेमलता और सयाली सतघरे।

बुमराह को ट्रेनिंग के लिए मिला नया पार्टनर, तैयारी में जुटे; क्यूट वीडियो ने जीता फैंस का दिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज की तैयारियों में जुट गए हैं। इससे पहले उन्हें ट्रेनिंग में नया पार्टनर मिला जिसकी जानकारी उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी कर दी। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टी20 विश्व कप की तैयारियों में जुट गए हैं। बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन वह 21 जनवरी से

शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 सीरीज से मैदान पर वापसी करेंगे। बुमराह ने टी20 सीरीज से पहले नेट्स पर अभ्यास शुरू कर दिया है। बुमराह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह अपने बेटे अंगद के साथ अभ्यास कर रहे हैं। न्यूजीलैंड सीरीज से तैयारियों को परखेंगे बुमराह बुमराह को व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से आराम दिया गया था। लेकिन वह टी20 टीम का हिस्सा हैं। अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए भारत के लिए न्यूजीलैंड सीरीज काफी अहम है। बुमराह भारत के अहम खिलाड़ी हैं और कीवी टीम के खिलाफ सीरीज से विश्व कप की तैयारियों को परखेंगे। बुमराह बोले- नए साथी ने किया प्रेरित सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि बुमराह फुल मोड में गेंदबाजी अभ्यास कर रहे हैं। इसके दौरान उनके साथ बेटे अंगद भी मौजूद हैं। बुमराह ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'ट्रेनिंग में नए साथी ने मुझे प्रेरित किया।' वीडियो में दिख रहा है कि किस तरह जब बुमराह गेंदबाजी अभ्यास कर रहे हैं तो अंगद उनके आसपास घूम रहे हैं। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को काफी शेयर किया जा रहा है और यूजर्स इसे काफी पसंद कर रहे हैं। ाीरीज से पहले चोट की समस्या से जूझ रहा भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले भारतीय टीम खिलाड़ियों की चोट की समस्या से जूझ रही है। तिलक वर्मा पहले ही चोट के कारण शुरूआती तीन मैचों से बाहर हो चुके हैं और अब ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर भी वनडे के बाद टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। तिलक और वाशिंगटन दोनों टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा हैं और यह देखना होगा कि दोनों खिलाड़ी इस वैश्विक टूनार्मेंट से पहले फिट हो पाते हैं या नहीं।

खिलाड़ियों की मांग के आगे झुका बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड, नजमुल इस्लाम को पद से हटाया

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट में चल रही उठापठक के बीच बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने बड़ा फैसला लिया है। बोर्ड ने नजमुल इस्लाम को बीसीबी के वित्तीय समिति के अध्यक्ष पद से हटा दिया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) अपने खिलाड़ियों की मांग के आगे झुक गया और उसने नजमुल इस्लाम को बोर्ड के वित्तीय समिति के अध्यक्ष पद से हटा दिया है। नजमुल को लेकर बांग्लादेश के खिलाड़ियों में काफी रोष था और क्रिकेट वेलफेयर्स एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश (उहअइ) ने नजमुल के इस्तीफे तक देश में क्रिकेट का बहिष्कार करने की मांग कर दी थी। विवाद बढ़ता देख बीसीबी ने नजमुल को हटा दिया है। क्यों हुआ इतना विवाद? नजमुल पर आरोप हैं कि उन्होंने ने खिलाड़ियों के योगदान और पारिश्रमिक को लेकर अपमानजनक बयान दिए। नजमुल ने अगले महीने भारत में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 को लेकर बांग्लादेश की यात्रा पर सवाल उठाए। नजमुल ने पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को भारत का एजेंट कहा था जिस पर विवाद शुरू हुआ था। उन्होंने देश के संभावित

वापस हटने की स्थिति में खिलाड़ियों के पारिश्रमिक संबंधित चिंताओं को खारिज करते हुए कहा, 'खिलाड़ियों को मुआवजा नहीं दिया जाएगा क्योंकि उन्होंने अब तक अपने समर्थन को सही नहीं ठहराया है।' इस बयान ने खिलाड़ियों और क्रिकेट समुदाय को भड़का दिया। विवाद का असर तुरंत दिखाई दिया। नोआखली एक्सप्रेस ५२ चटगांव रॉयल्स के मैच में टॉस तक नहीं हो सका क्योंकि कोई भी टीम मैदान पर नहीं पहुंची। खिलाड़ियों ने साफ कहा कि जब तक नजमुल इस्तीफा नहीं देते, वे सभी तरह के क्रिकेट का बहिष्कार करेंगे। खिलाड़ियों का आक्रामक रवैया देखकर बीसीबी ने नजमुल को पद से हटाना ही उचित समझा। बयान जारी क्या बोला बीसीबी बीसीबी ने विवाद के बीच बयान जारी कर कहा, बीसीबी यह सूचित करना चाहता है कि हाल के घटनाक्रमों की समीक्षा के बाद और संगठन के सर्वोत्तम हित में, बीसीबी अध्यक्ष ने नजमुल इस्लाम को वित्त समिति के अध्यक्ष पद से तत्काल प्रभाव से मुक्त करने का निर्णय लिया है। बीसीबी ने कहा, यह निर्णय बीसीबी संविधान के अनुच्छेद 31 के तहत बीसीबी अध्यक्ष को प्राप्त अधिकार के अनुसार लिया गया है और इसका उद्देश्य बोर्ड के कार्यों का सुचारू और प्रभावी संचालन सुनिश्चित करना है। अगली सूचना तक बीसीबी अध्यक्ष वित्त समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष का पदभार संभालेंगे। बयान में आगे कहा, बीसीबी इस बात को दोहराता है कि क्रिकेटरों के हित उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। बोर्ड अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी खिलाड़ियों के सम्मान और गरिमा को बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस संदर्भ में बीसीबी आशा करता है कि सभी क्रिकेटर खेल के लिए इस चुनौतीपूर्ण दौर में भी बांग्लादेश क्रिकेट की बेहतरी के लिए उच्चतम स्तर की व्यावसायिकता और समर्पण का प्रदर्शन करते रहेंगे और बांग्लादेश प्रीमियर लीग में अपनी निरंतर भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

बजट से बाजार तक का सफर अब आएगा समझ, जानें निवेश को लेकर कैसे करें तैयारी

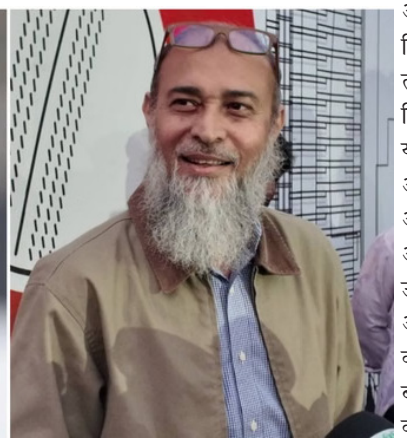

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सिर्फ सुनने की चीज नहीं, समझने का मौका भी है। इस बार बजट से यह साफ होगा कि कौन से सेक्टर फायदे में रहेंगे और कहां जोखिम है? द बोनस की वेबिनार सीरीज निवेशकों को बजट के आंकड़े, बाजार की दिशा और सही निवेश रणनीति समझाने में मदद करेगी। आइए विस्तार से समझते हैं। बजट का नाम आते ही आम

निवेशकों के मन में कई सवाल उठते हैं। कौन सा सेक्टर फायदे में रहेगा, किन शेयरों में तेजी आएगी और कहां जोखिम बढ़ सकता है। इस बार बजट को सिर्फ सुनने का नहीं, बल्कि उसे समझने का मौका दिया जा रहा है। बजट के जरिए सरकार की आर्थिक सोच साफ होती है और उसी से बाजार की दिशा तय होती है। ऐसे में बजट को सही तरीके से समझना निवेश के लिहाज से बेहद जरूरी हो जाता है। अक्सर निवेशक बजट के बाद बाजार में अचानक उतार-चढ़ाव देखकर फैसले ले लेते हैं। लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि बजट के आंकड़े, घोषणाएं और नीतिगत संकेत लंबे समय के लिए बाजार की दिशा बताते हैं। इस बार बजट के दौरान यह समझने पर जोर रहेगा कि किन सेक्टरों को सरकार का समर्थन मिल रहा है और किन क्षेत्रों में खर्च या टैक्स बढ़ सकता है। इससे यह साफ होगा कि कौन से शेयर मजबूत हो सकते हैं और कहां सावधानी जरूरी है। बजट के बाद शेयर बाजार के साथ-साथ म्यूचुअल फंड और कमोडिटी बाजार भी प्रभावित होते हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, बीमा, आईटी, मैन्युफैक्चरिंग और ऊर्जा जैसे सेक्टर बजट के बाद सबसे ज्यादा चर्चा में रहते हैं। बजट में टैक्स छूट, सरकारी खर्च और सब्सिडी से जुड़े फैसले यह तय करते हैं कि किन सेक्टरों में निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और कहां दबाव बनेगा। वेबिनार सीरीज से मिलेगा आसान समाधान बजट की इन बारीकियों को आम निवेशकों तक आसान भाषा में पहुंचाने के लिए द बोनस एक विशेष वेबिनार सीरीज आयोजित कर रहा है। इस सीरीज में द बोनस के संपादक अंशुमान तिवारी, अर्थशास्त्री आलोक पौराणिक और शुभम शंखधर बताएंगे कि बजट देखकर बाजार की दिशा का अनुमान कैसे लगाया जाए। उनका फोकस रहेगा कि आम निवेशक बिना घबराए सही फैसले कैसे ले सकता है। तीन वेबिनार से साफ हो जाएगी निवेश की पूरी तस्वीर सीरीज का पहला वेबिनार 17 जनवरी को सुबह 11 बजे होगा, जिसमें बजट को सुनने और पढ़ने का सही तरीका बताया जाएगा। दूसरा वेबिनार 2 फरवरी को शाम 5 बजे आयोजित होगा, जहां बजट के बाद शेयर बाजार, सोना, बीमा, म्यूचुअल फंड और क्रिप्टो की दिशा पर चर्चा होगी।

भेल के झांसी प्लांट से वंदे भारत ट्रेनों के लिए ट्रांसफॉर्मर की आपूर्ति शुरू, जानिए इसके फायदे

नई दिल्ली (एजेंसी)। BHEL ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन परियोजना के लिए झांसी प्लांट से ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर की सप्लाई शुरू की है। यह कदम मेक इन इंडिया को मजबूत करेगा और सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन तकनीक में कंपनी की भूमिका को आगे बढ़ाएगा। आइए विस्तार से जानते हैं। सरकारी इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) ने गुरुवार को बताया कि उसने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन परियोजना के लिए

सेमी-हाई-स्पीड अंडरस्लंग ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर की आपूर्ति अपने झांसी संयंत्र से शुरू कर दी है। कंपनी के अनुसार, यह पहल उसके मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत एक अहम उपलब्धि है। बीएचईएल ने बयान में कहा कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन परियोजना को इलएछ के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम द्वारा ळफरछ के साथ मिलकर लागू किया जा रहा है। इस मौके पर झांसी संयंत्र में ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मरों की ध्वजारोहण सामारोह आयोजित की गई। भारत स्लीपर ट्रेन की स्पीड कितनी तय की गई है? कंपनी ने बताया कि इससे पहले इसी परियोजना के लिए ट्रैक्शन कन्वर्टर्स को इलएछ के बंगलूरू संयंत्र से रवाना किया जा चुका है। ताजा आपूर्ति से सेमी-हाई-स्पीड प्रोपल्शन सेगमेंट में इलएछ की रणनीतिक मौजूदगी और मजबूत हुई है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की ऑपरेशनल स्पीड 160 किमी प्रति घंटा और डिजाइन स्पीड 180 किमी प्रति घंटा तय की गई है। कोलकाता में होगा ट्रेनों को असेंबल करने का काम इलएछ के अनुसार, ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मरों को कोलकाता भेजा जा रहा है, जहां वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का अंतिम असेंबली कार्य किया जाएगा। इसके अलावा, परियोजना से जुड़ा एक और महत्वपूर्ण प्रोपल्शन सिस्टम उपकरण ट्रैक्शन मोटर, बीएचईएल के भोपाल यूनिट में विकसित और निर्मित किया गया है।

चीनी कंपनियों के भारत आने से नहीं होगा भारतीय व्यापारियों को नुकसान, एमएसएमई सेक्टर को इस तरह बचाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार चीनी कंपनियों को भारतीय बाजार में सीधे निर्माण करने की अनुमति देने पर गंभीरता से विचार कर रही है। यदि ऐसा होता है तो अब चीन की हजारों कंपनियां देश के विभिन्न क्षेत्रों में निर्माण करती हुई दिखाई दे सकती हैं। लेकिन इसी के साथ यह प्रश्न पूछा जाने लगा है कि क्या इससे भारतीय कंपनियों को नुकसान नहीं होगा?

भारी पूंजी और सस्ते श्रम की बदौलत चीनी कंपनियों ने भारतीय कंपनियों के सामने तगड़ी चुनौती पेश की है। कई क्षेत्रों में भारतीय कंपनियां पूरी तरह चीनी कंपनियों के उत्पादों पर निर्भर हो गई हैं। ऐसे में क्या चीनी कंपनियों के भारतीय बाजार में सीधे आ जाने से भारत का एमएसएमई सेक्टर बुरी तरह प्रभावित नहीं होगा? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं 'वोकल फॉर लोकल' की बात करते रहे हैं। उनकी अपील होती है कि लोग उन उत्पादों का उपयोग करें जो भारतीय कंपनियों के द्वारा भारत में निर्मित की गई हैं। इससे भारतीय कंपनियों को विदेशी कंपनियों के सामने मजबूती मिलेगी। लेकिन अब चीनी कंपनियों के सीधे भारतीय बाजारों में आने से देश की छोटी कंपनियों पर क्या असर पड़ेगा? आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि चीनी कंपनियों को भारतीय बाजार में सीधे प्रवेश देना कोई गलत निर्णय नहीं है। यह बहुत समझदारी भरा निर्णय है। इससे भारत में पूंजी निवेश होगा, नई नौकरियों का सृजन होगा और इन कंपनियों के द्वारा भारत से निर्यात किए जाने पर केंद्र सरकार को टैक्स के रूप में आय भी हासिल होगी। इस समय भी ऐपल, सैमसंग सहित दूसरी कंपनियों के भारत में निर्माण करने से केंद्र सरकार को अच्छी आय हो रही है। यही स्थिति चीन के मामले में भी हो सकती है। यह भी ध्यान दिए जाने के योग्य है कि चीनी कंपनियां सस्ता और उच्च गुणवत्ता का उत्पादन करने के मामले में लगातार आगे बढ़ रही हैं। यदि भारतीय कामगार इन कंपनियों में काम करते हैं तो इससे धीरे-धीरे भारतीय कंपनियों को भी उच्च गुणवत्ता के पदार्थ बनाने में महारथ हासिल होगी। यानी दूरगामी दृष्टि से यह निर्णय भारत के पक्ष में रहने वाला है। रणनीतिक क्षेत्रों में निवेश की अनुमति मिलने की संभावना नहीं चीन को भारत में कितनी अनुमति मिलेगी, अभी यह पूरी तरह से साफ होना शेष है, लेकिन यह स्पष्ट है कि रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण सेक्टर में चीनी कंपनियों को निर्माण करने की अनुमति नहीं मिलेगी। लेकिन भारत उन सभी क्षेत्रों में चीन को निवेश-निर्माण की अनुमति दे सकता है, जिसमें भारत पिछड़ा हुआ है और इन क्षेत्रों में बड़े निवेश की आवश्यकता है। इन क्षेत्रों में निवेश होगा फायदेमंद चीन खिलौने बनाने से लेकर मूर्तियां, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, मशीनों के निर्माण, सौर ऊर्जा उपकरणों को बनाने के क्षेत्र में बड़ी वैश्विक शक्ति बन चुका है, वह वाहन निर्माण के क्षेत्र में भी तेजी से दखल बढ़ा रहा है। कृषि के प्रसंस्कृत उत्पादों के निर्माण और सस्ते निर्माण की सामग्रियों को बनाने में भी चीन बड़ी ताकत है। भारत की अपनी घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी आने वाले समय में इन सेक्टरों को मजबूत करने की आवश्यकता है। ऐसे में यदि चीन से इन क्षेत्रों में निवेश हासिल होता है तो यह भारत के लिए लाभ का सौदा साबित हो सकता है। सोचा-समझा निर्णय- भाजपा आर्थिक मामलों के जानकार और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने से कहा कि इस समय भी भारत कई क्षेत्रों में चीनी कंपनियों से मिलने वाले कच्चे माल पर निर्भर है। फार्मास्युटिकल सेक्टर, सौर ऊर्जा उपकरणों के साथ-साथ अनेक क्षेत्रों में चीन की लगभग मोनोपॉली है। भारतीय कंपनियां इन सेक्टर में उत्पादन के लिए चीन से ही कच्चा माल आयात करती हैं। इससे बड़ा लाभ चीन की कंपनियों को ही होता है। लेकिन यदि चीन की कंपनियां भारतीय बाजार में सीधे आकर निवेश करें और यहीं पर निर्माण करें तो इससे भारत में निवेश बढ़ेगा और नई नौकरियों का सृजन होगा।

फाइनल में पहुंचने से एक कदम दूर पंजाब और सौराष्ट्र, शुक्रवार को सेमीफाइनल में होगा सामना

बंगलूरू (एजेंसी)। सौराष्ट्र और पंजाब के बीच शुक्रवार को विजय हजारे ट्रॉफी का सेमीफाइनल मुकाबला बंगलूरू में दोपहर 1:30 बजे से खेला जाएगा। आइए जानते हैं दोनों टीमें कितनी मजबूत हैं। पंजाब और सौराष्ट्र की टीमें विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचने से महज एक कदम दूर हैं। दोनों टीमों का शुक्रवार को एक अन्य सेमीफाइनल में सामना होगा। पंजाब की टीम में अभिषेक शर्मा जैसा स्टार बल्लेबाज मौजूद है, लेकिन वह सेमीफाइनल में खेलेंगे इसकी उम्मीद कम है। ऐसी स्थिति में प्रभसिमरन सिंह टीम की कमान संभाल सकते हैं।

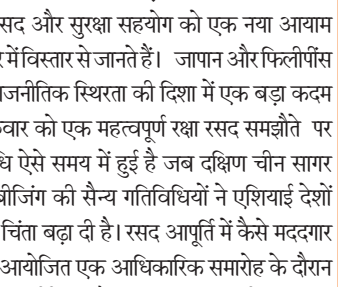

हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, अनमोलप्रीत सिंह और निहाल वढेरा सभी ने अर्धशतक लगाकर मैच को पंजाब के पक्ष में कर दिया और इसी तरह का बल्लेबाजी प्रदर्शन उन्हें फाइनल की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरनूर बरार की अगुआई वाले गेंदबाज आक्रमण ने विपक्षी टीम को लगभग 19 ओवर शेष रहते समेट दिया। पंजाब की टीम कप्तान प्रभसिमरन के अनुभव पर निर्भर करेगी जो चार अर्धशतक के साथ टीम के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। टीम के बल्लेबाजी क्रम में हरनूर सिंह, अनमोलप्रीत सिंह, नमन पूनिया, निहाल वढेरा और रमनदीप सिंह जैसे बल्लेबाज हैं जो उसे किसी भी मुकाबले में जीत दिलाने की क्षमता रखते हैं। पंजाब का गेंदबाजी आक्रमण भी संतुलित दिखता है जिसमें गुरनूर शामिल हैं जिन्होंने आईपीएल 2023 में पंजाब किंग्स में विकल्प के तौर पर चुने जाने से पहले मुंबई इंडियन्स के लिए नेट गेंदबाज के रूप में अपने कौशल को निखारा था। तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ सनवीर सिंह ने क्वार्टर फाइनल में 31 रन पर तीन विकेट चटकाते हुए सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सौराष्ट्र किस तरह पेश कर सकता है चुनौती? फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज हार्विक देसाई की अगुआई वाली सौराष्ट्र की टीम कड़ी चुनौती पेश करने की कोशिश करेगी लेकिन उनका अपेक्षाकृत अनुभवहीन होना उनके खिलाफ जा सकता है। मौजूदा सत्र में तीन शतक और दो अर्धशतक के साथ हार्विक देसाई बल्लेबाजी में सौराष्ट्र की ताकत रहे हैं। साझेदारी तोड़ने के लिए टीम के पास भरोसेमंद तेज गेंदबाज चेतन सकारिया हैं। सकारिया ने पिछले तीन मैच में से प्रत्येक में तीन विकेट लिए हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज चिराग जानी घरेलू विकेटों से काफी अच्छी तरह से वाकिफ हैं।

जापान और फिलीपींस के बीच रक्षा समझौता, जानें चीन के संकट से कैसे निपटेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान और फिलीपींस ने 'एक्विजिशन एंड क्रॉस-सर्विसिंग एग्रीमेंट' (एसीएसए) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह रणनीतिक रक्षा समझौता इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच दोनों देशों के बीच सैन्य रसद और सुरक्षा सहयोग को एक नया आयाम प्रदान करेगा। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। जापान और फिलीपींस ने क्षेत्रीय सुरक्षा और भू-राजनीतिक स्थिरता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। दोनों देशों ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण रक्षा रसद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह संधि ऐसे समय में हुई है जब दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर में बीजिंग की सैन्य गतिविधियों ने एशियाई देशों और उनके सहयोगियों की चिंता बढ़ा दी है। रसद आपूर्ति में कैसे मददगार होगा समझौता? मनीला में आयोजित एक आधिकारिक समारोह के दौरान जापानी विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी और फिलीपींस की विदेश सचिव थेरेसा लाजारो ने इस समझौते पर मुहर लगाई। इस नए रक्षा समझौते के तहत, दोनों देशों की सेनाएं संयुक्त प्रशिक्षण के दौरान गोला-बारूद, ईंधन, भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कर-मुक्त आपूर्ति कर सकेंगी। यह समझौता न केवल सैन्य क्षमताओं को बढ़ाएगा, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के प्रति तैयारी और संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में दोनों देशों की भागीदारी को भी सुगम बनाएगा। हालांकि, इस लॉजिस्टिक समझौते को प्रभावी होने से पहले जापानी सांसदों की सहमति जरूरी है। चीन से बढ़ते तनाव को कम करने में कैसे मदद मिलेगी? यह समझौता सीधे तौर पर चीन की क्षेत्रीय विस्तारवादी नीतियों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है।

लालो कृष्ण सदा सहायते ने लखनऊ में दर्ज की शानदार मौजूदगी

लखनऊ (संवाददाता)। जब अतीत के बोझ से दबा एक व्यक्ति आस्था में अपना मार्गदर्शक पाता है, तब जन्म लेती है एक असाधारण कहानी। गुजराती बॉक्स ऑफिस पर ऐतिहासिक और अभूतपूर्व सफलता दर्ज करने के बाद लालो कृष्णा सदा सहायते अब देशभर में हिंदी दर्शकों के बीच अपनी छाप छोड़ रही है। इसी कड़ी में फिल्म के अभिनेता श्रुहद गोस्वामी, करन जोशी निर्देशक अंकित सखिया फिल्म के प्रचार के लिए नवाबों के शहर लखनऊ पहुँचे।यह फिल्म मैनिफेस्ट फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत की गई है इसके निमार्ता हैं पडारिया और जय व्यास साथ ही फिल्म में कलाकार के रूप में, रीवा रच्छ, श्रुहद गोस्वामी, करण जोशी, निर्देशक अंकित सखिया मौजूद हैं.लखनऊ प्रवास के दौरान कलाकारों ने शहर की मशहूर लखनवी चाट और चाय का स्वाद लिया तथा वेव मॉल में प्रशंसकों से मुलाकात की। प्रशंसकों के उत्साह और प्रेम से अभिभूत कलाकारों ने इस अनुभव को बेहद खास बताया।श्रुहद गोस्वामी ने कहा,लखनऊ ने तो मेरा दिल जीत लिया है कृयहाँ की गर्मजोशी, स्वादिष्ट चाट और अनगिनत कप चाय। वेव मॉल में हमारे प्रशंसकों से मिलना बेहद खास रहा, जिन्होंने पूरे दिल से हमारी फिल्म देखी और अपार प्रेम दिया।

आइवरी साड़ी में सज-धजकर पति रणबीर संग दोस्त के रिसेप्शन में पहुंची आलिया भट्ट

जमकर किया एंजॉय

बॉलीवुड के सबसे चर्चित और पसंदीदा कपल्स में शुमार आलिया भट्ट और रणबीर हमेशा अपनी केमिस्ट्री से लोगों का दिल जीतते है। हाल ही में दोनों अपनी व्यस्तताओं से थोड़ा वक्त निकालकर एक करीबी दोस्त के रिसेप्शन में पहुंचे, जहां उनका अंदाज देखते ही बना। पार्टी में रणबीर-आलिया ने जमकर ठुमके भी लगाए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। दोस्त की रिसेप्शन पार्टी में रणबीर कपूर पारंपरिक अंदाज में बेहद आकर्षक नजर आए। उन्होंने ब्लैक कुर्ता के साथ हैवी एम्ब्रॉयडरी वाला नेहरू जैकेट पहना, जो उनके लुक को क्लासी टच दे रहा था। वहीं आलिया भट्ट ग्लिटर वाली आइवरी साड़ी में बेहद खूबसूरत दिखीं। साड़ी के साथ उन्होंने ब्लू मोतियों से सजा ब्लाउज कैरी किया, जिसने उनके पूरे लुक को और भी एलिगेंट बना दिया। आलिया ने अपने बालों को स्लिक बन में स्टाइल किया था और डायमंड ईयररिंग्स के साथ पर्ल चोकर पहनकर अपने लुक को कंप्लीट किया। सादगी और ग्लैमर का यह कॉम्बिनेशन फैंस को खूब पसंद आ रहा है। रिसेप्शन के दौरान कपल ने सिर्फ स्टाइल ही नहीं, बल्कि डांस से भी सुर्खियां बटोरीं। ढोल की थाप पर आलिया और रणबीर ने इम्प्रोवाइज डांस किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों दोस्तों के साथ खुलकर एंजॉय करते दिखाई दे रहे हैं। फैंस इस वीडियो पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं और कपल की केमिस्ट्री की तारीफ कर रहे हैं। काम की बात करें तो रणबीर कपूर इन दिनों संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ विक्की कौशल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। वहीं आलिया भट्ट भी अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी व्यस्त हैं। वह यशराज फिल्म्स की स्पाय यूनिवर्स में अल्फा फिल्म के जरिए एंट्री करने जा रही हैं।

इतनी ठंड है कि ऐसे में कार में..लाइव कॉन्सर्ट में हनी सिंह ने कह डाली अश्लील बात, लोगों ने लिया आड़े हाथ

मशहूर सिंगर और रैपर हनी सिंह अपने गानों से कम कॉन्ट्रोवर्सीज को लेकर ज्यादा चर्चा में रहते हैं। हाल ही में फिर हनी सिंह विवादों में घिरते नजर आ रहे हैं। दरअसल, हाल ही में हनी सिंह ने लाइव कॉन्सर्ट में हजारों लोगों की भीड़ में कुछ ऐसा

आपत्तिजनक कह दिया जो उन्हें नहीं कहना चाहिए था। बस देखते ही देखते उनका ये वीडियो वायरल हो गया और लोगों ने उन्हें आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया। दरअसल, हाल ही में हनी सिंह दिल्ली में एक लाइव कॉन्सर्ट के लिए पहुंचे थे, जहां उन्हें देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे। इस दौरान सिंगर ने कहा-शिदल्ली में इतनी ठंड है कि ऐसे में कार में... करने में मजा आ जाएगा. हनी सिंह का ये वीडियो जैसे ही सामने आया लोगों का गुस्सा भी उन पर फूट पड़ा। कोई उन्हें नशेड़ी कह रहा है, तो वहीं कोई उनके लिए कह रहा है कि वो कभी सुधर नहीं सकते हैं। एक यूजर ने लिखा, इंसान की फितरत कभी नहीं बदलतीश, एक अन्य यूजर ने लिखा, आपसे ये उम्मीद नहीं थीश। इसी तरह लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाएं इस वीडियो पर दी हैं। बता दें, इससे पहले भी हनी सिंह कई बार ऐसी अभद्र टिप्पणियां कर चुके हैं। इसके अलावा उनके कुछ गाने भी ऐसे हैं जो काफी विवादित हैं। हनी सिंह ने कई बार अपनी इस इमेज को सुधारने की कोशिश भी की लेकिन फिर कुछ दिनों के बाद वो किसी ना किसी कॉन्ट्रोवर्सी में फंस जाते हैं।

पोंगल पर मिला धनुष के फैंस को तोहफा, अगली फिल्म का पोस्टर हुआ रिलीज

मेकर्स ने शेयर किया टाइटल

साउथ के चर्चित एक्टर धनुष की पिछले साल के आखिर में हिंदी फिल्म तेरे इश्क में रिलीज हुई। हाल ही में उनकी नई साउथ इंडियन फिल्म का टाइटल सामने आया है। जानिए, क्या उनकी अपकमिंग फिल्म का नाम? धनुष की अगली फिल्म को लेकर अटकलें थीं, इसका नाम डी54 हो सकता है। लेकिन गुरुवार को मेकर्स ने फिल्म का टाइटल रिवील कर दिया है। फिल्म का पोस्टर

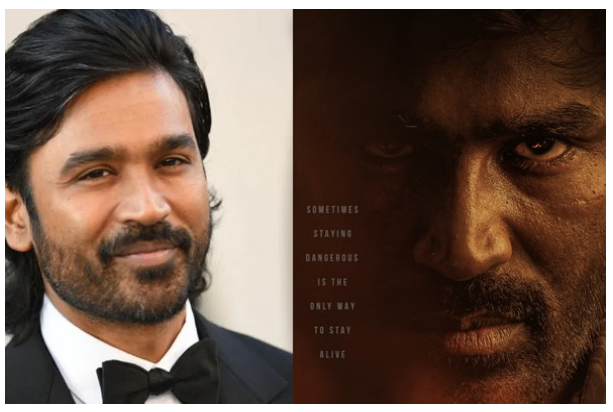

रिलीज हुए टाइटल भी सामने आ चुका है। पोस्टर में धनुष का लुक भी काफी अलग नजर आ रहा है। फिल्म को डायरेक्टर विग्नेश राजा बना रहे हैं। क्या है धनुष की फिल्म का नाम? धनुष की फिल्म का पहला पोस्टर आज गुरुवार को सामने आया है। इसके साथ फिल्म का टाइटल लिखा है। धनुष की फिल्म का नाम कारा होगा। पोस्टर में उनका लुक भी काफी अलग है, वह काफी इंटेंस लुक में दिख रहे हैं। हाथ में हथियार है और चारों तरफ आग लगी है। इससे लगता है कि फिल्म में जबरदस्त एक्शन दर्शकों को देखने को मिलेगा। खत्म हो चुकी है शूटिंग, पोस्ट प्रोडक्शन पर चल रहा है काम धनुष की फिल्म कारा का पोस्टर मकर संक्राति और पोंगल के त्योहार के मौके पर रिलीज किया गया। धनुष और मेकर्स ने फैंस को इन त्योहारों पर शुभकामनाएं भी दी हैं। इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, इन दिनों पोस्ट प्रोडक्शन पर काम चल रहा है। फिल्म का म्यूजिक 'पराशक्ति' मूवी के म्यूजिक कंपोजर जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है। कहानी को डायरेक्टर विग्नेश ने ही लिखा है।

नागबंधन में पार्वती बनीं नभा नतेश, पोस्टर में बेहद खूबसूरत ट्रेडिशनल लुक ने खींचा ध्यान

कल मेकर्स ने आने वाली फिल्म का एक पोस्टर शेयर कर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी थी, जिसमें बस एक छोटी सी झलक दिखाई गई थी। इस पोस्टर ने सबको पार्वती की पहचान को लेकर सोच में डाल दिया था, साथ ही आज रिवील करने का वादा भी किया गया था। अब आखिरकार इंतजार खत्म हो गया है और पार्वती से पर्दा उठ चुका है। अपकमिंग फिल्म नागबंधन में पार्वती के किरदार में नभा नतेश को पेश किया गया है, और इसके साथ मेकर्स ने उनका बेहद खूबसूरत पोस्टर भी रिलीज कर दिया है। सोशल मीडिया पर मेकर्स ने पार्वती के रोल में नाभा नतेश को रिवील किया। खूबसूरत एक्ट्रेस ट्रेडिशनल इंडियन साड़ी में बेहद स्टनिंग और अट्रैक्टिव लग रही हैं, जो पूरी तरह से एलिगेंस और ग्रेस दिखा रही हैं। पार्वती को रिवील करने के साथ-साथ मेकर्स ने फिल्म का टाइटल, नागबंधम भी रिवील किया और कैप्शन लिखा, नागबंधन के पोस्टर में पार्वती के रूप में ग्रेसफुल नजर आ रहीं नभा नतेश सिर्फ किरदार ही नहीं, बल्कि एक ऐसी फिल्म का वादा भी करती हैं जो भारतीय संस्कृति में गहराई से रची-बसी है। पार्वती की उंगली पर बैठा खूबसूरत पक्षी एक सरप्राइज एलिमेंट जोड़ता है, वहीं बैकग्राउंड में मोर और मंदिर का माहौल इस बात का भरोसा दिलाता है कि कहानी भारत की समृद्ध संस्कृति और विरासत से जुड़े एक अलग ही आयाम को छुएगी। जहां नभा नटेश इस फिल्म में बिल्कुल नए अवतार में नजर आने वाली हैं, वहीं वह तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन 2019 में आई पस्मार्ट संकर से उन्हें बड़ी पहचान मिली, जिसके बाद वह पस्मार्ट ब्यूटी के नाम से लोकप्रिय हो गईं। इसके अलावा, टाइटल के साथ जुड़ा दिलचस्प टैगलाइन द सीक्रेट ट्रेजर फिल्म में छुपे रहस्य की ओर इशारा करता है, जिसे कहानी के साथ धीरे-धीरे खोला जाएगा। इस खुलासे ने आने वाले कंटेंट को लेकर दर्शकों की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। नागबंधन की कहानी, स्क्रीनप्ले और निर्देशन अभिषेक नामा ने संभाला है। फिल्म को किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागीरेड्डी प्रोड्यूस कर रहे हैं, और इसे समर 2026 में पैन-इंडिया रिलीज करने की योजना है।

तारा सुतारिया संग ब्रेकअप रूमर्स के बीच वीर पहाड़िया के क्रिप्टिक पोस्ट ने खींचा ध्यान, लिखा-वक्त बुरा हो या अच्छा..

बॉलीवुड की यंग और चर्चित जोड़ियों में गिने जाने वाले वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया को लेकर इन दिनों ब्रेकअप की अटकलें तेज हो गई हैं। कुछ समय से सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट गलियारों में यह चर्चा है कि दोनों का रिश्ता अब पहले जैसा नहीं रहा। इतना ही नहीं, हाल ही में नूपुर सेनन की रिसेप्शन पार्टी में भी वीर अकेले पहुंचे थे, जिससे उनके ब्रेकअप की अफवाहों को और हवा मिल गई। इन सब के बीच हाल ही में वीर पहाड़िया ने एक क्रिप्टिक पोस्ट किया, जिसे उनके ब्रेकअप से जोड़कर देखा जा रहा

है। बुधवार को वीर पहाड़िया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह ब्लैक टी-शर्ट में नजर आ रहे हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, वक्त बुरा हो या अच्छा, एक न एक दिन बदलता जरूर है।वीर का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। फैंस इसे तारा सुतारिया से जुड़े ब्रेकअप रूमर्स से जोड़कर देख रहे हैं। इस पोस्ट को ओरी, भूमि पेडनेकर और करण जौहर जैसे कई सेलेब्स ने लाइक भी किया है। वीर के इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के रिएक्शन आने लगे। कई लोगों ने कमेंट करते हुए लिखा कि वीर और तारा एक-दूसरे के साथ बेहद अच्छे लगते थे। कुछ यूजर्स ने लिखा, प्लीज ये अफवाहें सच न हों, तो वहीं कई फैंस ने दोनों से दोबारा सोचने और पैचअप करने की अपील की। लोगों का कहना है कि दोनों की केमिस्ट्री शानदार थी और उन्हें अलग नहीं होना चाहिए। बताया जा रहा है कि वीर और तारा के रिश्ते में दरार की चर्चा दिसंबर में मुंबई में हुए एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट के बाद तेज हुई। इस कॉन्सर्ट में तारा सुतारिया ने एपी ढिल्लों के साथ स्टेज शेयर किया था। दोनों ने साथ में गाना थोड़ी सी दारू परफॉर्म किया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। हालांकि, इसी दौरान तारा और एपी ढिल्लों की नजदीकियों को लेकर सोशल मीडिया पर चचाएं शुरू हो गईं। बताया गया कि इस कॉन्सर्ट में वीर पहाड़िया भी मौजूद थे और उनका रिएक्शन कैमरे में कैद होकर वायरल हो गया था। इसके बाद से ही दोनों के ब्रेकअप की अफवाहों ने जोर पकड़ लिया। हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि वीर और तारा ने आपसी सहमति से अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। फिलहाल वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया, दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। ऐसे में यह साफ नहीं है कि ये खबरें महज अफवाह हैं या वाकई दोनों के रास्ते अलग हो चुके हैं।

पूरा भारत मेरे साथ मुस्कुरा रहा है, बॉर्डर 2 में ट्रोलिंग पर वरुण धवन ने ली चुटकी; नेटिजेंस को दिया जवाब

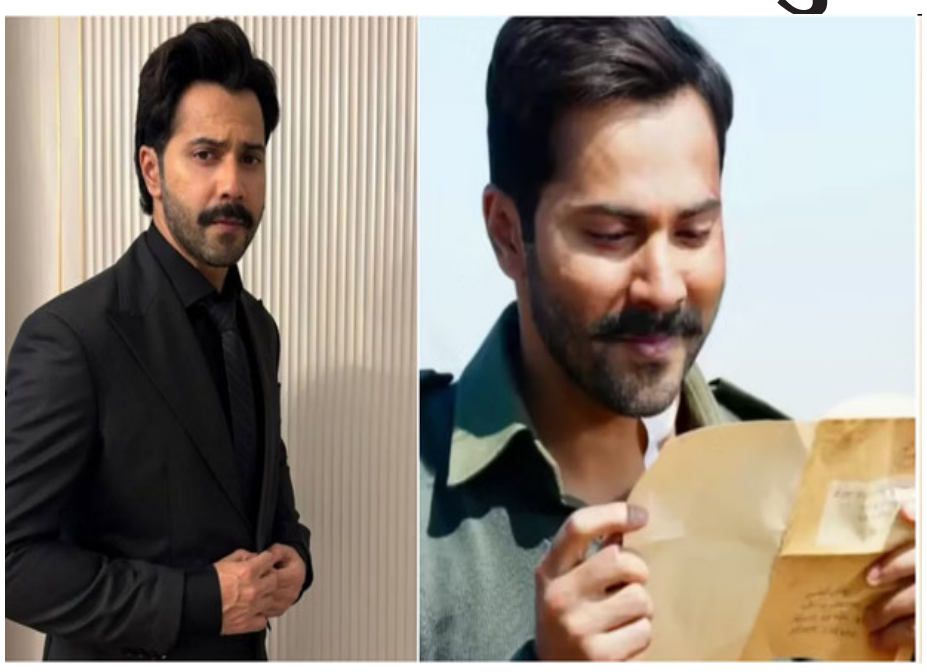

वरुण धवन अपने फैंस से काफी कनेक्ट रहते हैं। यही नहीं वो अपनी ट्रोलिंग पर भी प्रतिक्रिया देते रहते हैं। अब एक बार फिर वरुण ने बॉर्डर 2 में हो रही अपनी ट्रोलिंग और मीम पर रिएक्ट किया है। अभिनेता वरुण धवन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर चचाओं में बने हुए हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह बना हुआ है। मेकर्स भी फिल्म के प्रमोशन में पूरी ताकत झोंक रहे हैं। हालांकि, घर कब आओगे गाना रिलीज होने के बाद वरुण धवन ट्रोलर्स के निशाने पर हैं। गाने में उनके स्माइल को लेकर उन पर मीम बन रहे हैं। अब खुद वरुण ने अपनी ट्रोलिंग और मीम को लेकर प्रतिक्रिया दी है। इंस्टाग्राम लाइव पर वरुण ने लिए मजे अपने इंस्टाग्राम लाइव के दौरान वरुण धवन ने अपनी स्माइल को लेकर वायरल हो रहे एक मीम पर प्रतिक्रिया दी है। वरुण ने कुछ ऐसा कहा जो अब वायरल है और लोगों को पसंद आ रहा है। 'घर कब आओगे' गाने में अपने हाव-भाव को लेकर हो रही ट्रोलिंग पर बात करते हुए, धवन ने लाइव की शुरूआत यह कहते हुए की, मुझे पता है मेरी स्माइल ट्रेंड कर रही है। फिर उन्होंने अपने जाने-पहचाने हाव-भाव को दोहराया और गायक विशाल मिश्रा को भी ऐसा करने के लिए कहा। उन्हें निर्देश देते हुए कि पूरी तरह से मुस्कुराएं और अपनी मुस्कान को एक तरफ से नीचे गिराएं। उनकी नोकझोंक हंसी में बदल गई और धवन ने चुटकी लेते हुए कहा कि उन्हें खुशी है कि पूरा भारत उनके साथ मुस्कुरा रहा है। एक्टिंग पर सवाल उठाने वाले यूजर को भी दिया जवाब ये पहली बार नहीं है जब वरुण ने अपनी ट्रोलिंग को लेकर रिएक्ट किया हो। इससे पहले जब एक सोशल मीडिया यूजर ने उनकी एक्टिंग स्किल को लेकर सवाल उठाया था, तब भी वरुण ने कुछ ऐसा ही कहा था। यूजर ने कहा था, भाई आपकी एक्टिंग पर सवाल उठा रहे हैं लोग, उसके लिए क्या बोलेंगे? वरुण ने इस पर जवाब दिया, यही सवाल ने गाना हिट करा दिया। सब एन्जॉय कर रहे हैं, रब दी मेहर। वरुण ने हाल ही में प्रशंसकों के साथ हुई बातचीत में भी मजाकिया अंदाज में जवाब दिए हैं। 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन में एक यूजर ने उनकी एक फिल्म को बेकार बताया और उनकी पसंद पर सवाल उठाए। इस पर वरुण ने जवाब दिया, चलो, फिल्म फिर भी थोड़ी चल गई। आप थिएटर जाते रहना। 'बॉर्डर 2' आपको चौंका सकती है, क्योंकि आपका टेस्ट तो कमाल का है।

पंकज चौधरी और केशव मौर्य की मुलाकात, सियासी हल्के में चर्चा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से शिष्टाचार मुलाकात की। यह मुलाकात उनके प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद दोनों नेताओं के बीच पहली औपचारिक बातचीत थी। उन्होंने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों और पार्टी की रणनीतियों पर सार्थक चर्चा की। इसे शिष्टाचार भेंट के तौर पर पेश किया जा रहा है, लेकिन राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज हो गई हैं। पंकज चौधरी ने मुलाकात के दौरान पूर्व सांसद रविंद्र कुशवाहा को साथ लिया। दोनों नेताओं ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की तस्वीरें शेयर की। पंकज चौधरी ने लिखा, ष्आज लखनऊ में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से शिष्टाचार भेंट की। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ष्लखनऊ स्थित सरकारी आवास, सात कालिदास मार्ग पर केंद्रीय राज्य मंत्री और बीजेपी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं पूर्व सांसद रविंद्र कुशवाहा से शिष्टाचार भेंट की ष्पंकज चौधरी के बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार केशव प्रसाद मौर्य से मुलाकात की। इस मुलाकात को लेकर राजनीतिक अटकलें तेज हो गई हैं। इसे पार्टी संगठन और सरकार के बीच समन्वय को बढ़ाने की दिशा में एक संकेत माना जा रहा है। पंकज चौधरी को ओबीसी चेहरा बनाए जाने का मकसद पार्टी के प्रभावी समाज कुर्मी, मौर्य और कुशवाहा पर पकड़ मजबूत करना है। राजनीतिक विश्लेषक मुलाकात को मंत्रिमंडल विस्तार, 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति से जोड़कर देख रहे हैं। बीजेपी सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल चाहती है

गाजा के पुनर्निर्माण की शुरूआत

जानें क्या है युद्धविराम का दूसरा चरण; ट्रंप के विशेष दूत ने कही ये बात

गाजा पट्टी (एजेंसी)। अमेरिका के मुताबिक गाजा युद्धविराम अब दूसरे चरण में पहुंच गया है। हालांकि, नई फलस्तीनी सरकार के स्वरूप को लेकर अभी तस्वीर साफ नहीं है। अमेरिका ने हमास से अंतिम मृत बंधक लौटाने की भी मांग की है। आइए जानते हैं इस दूसरे चरण में गाजा में क्या-क्या बदलेगा। गाजा में लंबे समय से जारी संघर्ष के बीच युद्धविराम को लेकर बड़ा संकेत सामने आया है। अमेरिका ने साफ किया है कि गाजा युद्धविराम योजना अब दूसरे चरण में प्रवेश कर चुकी है। इस चरण में हमास के निरस्त्रीकरण, गाजा के पुनर्निर्माण और रोजमर्रा के प्रशासन की नई व्यवस्था पर जोर दिया जाएगा। यह घोषणा ऐसे समय में आई है, जब क्षेत्र में स्थायी शांति को लेकर सवाल लगातार उठ रहे हैं। ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि युद्धविराम समझौता अब उस चरण में है, जहां गाजा को सैन्य गतिविधियों से मुक्त करना, वहां एक तकनीकी प्रशासन स्थापित करना और पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू करना प्रमुख लक्ष्य है। उनके मुताबिक, यह चरण गाजा के भविष्य की दिशा तय करेगा। नई गाजा प्रशासन व्यवस्था कैसी होगी? अमेरिकी दूत ने संकेत दिए कि गाजा में एक अस्थायी, तकनीकी प्रशासन बनाया जाएगा, जो रोजमर्रा के कामकाज को संभालेगा। हालांकि, इस नई फलस्तीनी प्रशासनिक संरचना को लेकर अभी कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। व्हाइट हाउस की ओर से भी इस मुद्दे पर फिलहाल चुप्पी बनी हुई है, जिससे कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। हमास से क्या अपेक्षाएं रखी गई हैं? गाजा का पूरी तरह निरस्त्रीकरण। युद्धविराम समझौते के तहत सभी दायित्वों का पालन। अंतिम मृत बंधक को तुरंत लौटाना। किसी भी तरह की सैन्य गतिविधि से दूरी बनाए रखना। अमेरिका ने साफ कहा है कि समझौते की सफलता काफी हद तक हमास के रुख पर निर्भर करेगी। इस्राइल और क्षेत्रीय शांति का सवाल गाजा में युद्धविराम के दूसरे चरण को इस्राइल और पूरे पश्चिम एशिया के लिए अहम माना जा रहा है। यदि निरस्त्रीकरण और प्रशासनिक बदलाव सही तरीके से लागू होते हैं, तो इससे क्षेत्रीय तनाव कम होने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि बिना ठोस राजनीतिक समाधान के स्थायी शांति हासिल करना आसान नहीं होगा। दूसरे चरण की सफलता के बाद गाजा के पुनर्निर्माण पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ने की संभावना है। बुनियादी ढांचे, आवास और मानवीय सहायता को प्राथमिकता दी जाएगी। लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि जमीन पर हालात और राजनीतिक इच्छाशक्ति ही तय करेगी कि यह युद्धविराम कितनी दूर तक टिक पाता है।

चार्ली किर्क को सम्मानित करेगा इस्राइल, यहूदी विरोध के खिलाफ लड़ाई के लिए दिया जाएगा अवार्ड

तेल अवीव (एजेंसी)। अमेरिका के दिवंगत रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क को इस्राइल की सरकार सम्मानित करेगी। इस्राइली पीएम के कार्यालय से बयान जारी बताया कि चार्ली किर्क को यहूदी विरोध के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। अमेरिका के दिवंगत रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क को इस्राइल की सरकार द्वारा सम्मानित किया जाएगा। चार्ली किर्क को यहूदी विरोध के खिलाफ लड़ाई के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। चार्ली किर्क की करीब चार माह पहले एक अमेरिकी यूनिवर्सिटी में संबोधन के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बुधवार शाम को इसका एलान किया गया। इस्राइली पीएम कार्यालय ने दी जानकारी इस्राइल पीएम कार्यालय ने बताया कि चार्ली किर्क को यरूशलम में आयोजित होने वाले 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कॉम्बैटिंग एंटी सेमीटिज्म' कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में दुनियाभर के इस्राइल

समर्थक नेता शामिल हो सकते हैं। इनमें अल्बानिया के पीएम एडी रामा और पूर्व ऑस्ट्रियन चांसलर सेबेस्टियन कुर्ज शामिल हैं। इस्राइल सरकार दूसरी बार इस सम्मेलन का आयोजन कर रही है। चार्ली किर्क, इस्राइल के कट्टर समर्थक माने जाते थे। चार्ली किर्क की मौत के बाद नेतन्याहू ने उन्हें इस्राइल का शेरदिल दोस्त और साझा यहूदी-ईसाई सभ्यता का रक्षक बताया था। किर्क पर यहूदी विरोधी होने के भी आरोप लगे टर्निंग पॉइंट यूएसए के सह-संस्थापक चार्ली किर्क अमेरिका की ईसाई और रूढ़िवादी जनता से इस्राइल के समर्थन की अपील करते थे। हालांकि कई बार उन पर यहूदी विरोधी बयान देने के भी आरोप लगे। यहूदी परोपकार और हॉलीवुड के बारे में चार्ली किर्क की कुछ टिप्पणियों ने किर्क पर यहूदी विरोधी होने के आरोप भी लगे। पिछले साल मेगन केली के शो में भी किर्क ने कहा था कि इस्राइल के लिए समर्थन इतना मजबूत हो गया है कि अब इस्राइल की सरकार की हल्की-फुल्की आलोचना करना भी मुश्किल हो गया है।

पहली मेडिकल इवैकुएशन में 4 अंतरिक्ष यात्रियों की आईएसएस से धरती पर वापसी

नासा का ऐतिहासिक फैसला

केप कैनावेरल (एजेंसी)। नासा ने इतिहास में पहली बार मेडिकल इवैकुएशन के तहत चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से पृथ्वी पर वापस बुलाया है। हालांकि चालक दल के मध्य फरवरी 2026 तक कक्षा में रहने की उम्मीद थी। नासा ने अपने 65 वर्षों के मानव अंतरिक्ष उड़ान इतिहास में पहली बार एक ऐतिहासिक और संवेदनशील फैसला लेते हुए मेडिकल इवैकुएशन के तहत चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (क्रर) से पृथ्वी पर वापस बुला लिया है। यह मिशन तय समय से एक महीने पहले ही समाप्त कर दिया गया। 4 अंतरिक्ष यात्रियों की धरती पर वापसी नासा, रूस और जापान के इन चार अंतरिक्ष

यात्रियों ने बुधवार को स्पेस स्टेशन से विदाई ली और वे स्पेसएक्स कैप्सूल के जरिये गुरुवार तड़के कैलिफोर्निया के सैन डिएगो तट के पास प्रशांत महासागर में उतरने वाले हैं। इस मिशन में शामिल नासा की अंतरिक्ष यात्री जेना कार्डमैन ने भावुक होते हुए कहा हमारी वापसी का समय अचानक बदला, लेकिन सबसे खूबसूरत बात यह रही कि यह टीम एक परिवार की तरह एक-दूसरे का ख्याल रखती रही। हालांकि नासा ने उस अंतरिक्ष यात्री की पहचान उजागर नहीं की, जिसे चिकित्सकीय देखभाल की आवश्यकता थी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यात्री की हालत स्थिर और सुरक्षित है तथा यह फैसला पूरी सावधानी के साथ लिया गया है ताकि धरती पर बेहतर मेडिकल जांच संभव हो सके। नासा ने यह भी साफ किया कि यह कोई आपात स्थिति नहीं थी, लेकिन अंतरिक्ष में रहते हुए इलाज में देरी करना जोखिम भरा हो सकता था। इसलिए मिशन को छोटा करने का निर्णय लिया गया। राष्ट्रपति ट्रंप का बड़ा दावा इस दल में शामिल अंतरिक्ष यात्रीः जेना कार्डमैन (अमेरिका)- पहली अंतरिक्ष उड़ान किमिया युई (जापान)- दूसरी अंतरिक्ष यात्रा ओलेग प्लातोनोव (रूस)- पहली अंतरिक्ष उड़ान स्पेस स्टेशन पर फिलहाल एक अमेरिकी और दो रूसी अंतरिक्ष यात्री मौजूद हैं। नासा और स्पेसएक्स अब फ्लोरिडा से नए दल की लॉन्चिंग की तारीख को आगे खिसकाने पर काम कर रहे हैं। नासा के नए प्रशासक जारेड आइजैकमैन ने इस फैसले पर कहा हमारे अंतरिक्ष यात्रियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा हमेशा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। लगभग छह महीने तक चलने वाला मिशन क्रू-11 को अगस्त 2025 में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) के लिए लॉन्च किया गया था, जिसका मिशन मूल रूप से लगभग छह महीने तक चलने वाला था। अधिकारियों ने कहा कि एजेंसी और उसके अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी कक्षा में चिकित्सा आपात स्थितियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण लेते हैं और जरूरत पड़ने पर प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार हैं। फरवरी 2026 तक रहने की थी उम्मीद दरअसल, क्रू-11 मिशन, आईएसएस पर निरंतर मानव उपस्थिति बनाए रखने के नासा के सतत प्रयासों का हिस्सा है। अपने प्रवास के दौरान अंतरिक्ष यात्री वैज्ञानिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन और स्टेशन के नियमित रखरखाव का कार्य कर रहे हैं। साथ ही भविष्य के मिशनों की तैयारियों में भी सहयोग कर रहे हैं। चालक दल के मध्य फरवरी 2026 तक कक्षा में रहने की उम्मीद थी।

'जून में जो गलती की, उसे दोबारा न करे अमेरिका', ट्रंप की धमकी के बीच ईरान के विदेश मंत्री की चेतावनी

तेहरान (एजेंसी)। ईरानी विदेश मंत्री ने अमेरिका को धमकी के साथ ही रुख में नरमी के भी संकेत दिए। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत और कूटनीति के लिए तैयार है। लेकिन उन्होंने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वे हमेशा कूटनीति से बचते हैं और युद्ध चुनते हैं। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच तनाव बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक बयान में प्रदर्शनकारियों का समर्थन करते हुए उनसे विरोध प्रदर्शन जारी रखने की अपील की थी। उन्होंने ये भी कहा मदद आ रही है। इस पोस्ट के बाद कयास लगने लगे कि शायद अमेरिका, ईरान पर हमला कर सकता है। अब इन कयासों के बीच ईरान की सरकार

ने चेतावनी दी है कि पिछली गलती न दोहराएं। माना जा रहा है कि ईरान ने जून 2025 में ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले से जोड़ते हुए ये बात कही। अमेरिकी चैनल के जरिए ईरानी विदेश मंत्री ने ट्रंप को दिया संदेश अमेरिकी मीडिया चैनल फॉक्स न्यूज के साथ बातचीत में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला बोला। फॉक्स न्यूज के होस्ट ब्रेट बेयर ने जब ये सवाल किया कि क्या उनके पास राष्ट्रपति ट्रंप के लिए कोई संदेश है, जो प्रदर्शनकारियों की मदद के लिए किसी तरह की कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं? इस पर ईरानी विदेश मंत्री ने कहा, 'मेरा संदेश है कि जून में आपने जो गलती की थी, उसे दोबारा न दोहराएं। आप जानते हैं, अगर आप एक असफल अनुभव को दोहराते हैं, तो आपको वही परिणाम मिलेगा।'

थाईलैंड में फिर हुआ क्रेन हादसा, एक दिन पहले ही रेल दुर्घटना में 32 लोगों की गई थी जान

बैंकॉक (एजेंसी)। थाईलैंड में एक दिन पहले ही बड़ा हादसा हुआ था, जिसमें एक क्रेन रेल पर गिर गई थी, जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। उस हादसे के एक दिन बाद ही फिर से थाईलैंड में क्रेन हादसा हुआ है, जिसमें कई लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। थाईलैंड में एक दिन पहले ही एक बड़ा हादसा हुआ

था, जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। अब राजधानी बैंकॉक में भी एक क्रेन हादसा हुआ है। हादसे में हताहत हुए लोगों की संख्या का अभी पता नहीं चल सका है। थाईलैंड के स्थानीय मीडिया के अनुसार, हादसे में दो लोगों की मौत हुई है और कई और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। इससे पहले बीते दिन हुए हादसे में एक निमार्णाधीन स्थल पर क्रेन चलती हुई ट्रेन पर गिर गई थी, जिसके बाद रेल पटरी से उतर गई थी। उस हादसे में 32 लोगों की मौत हो गई थी। गुरुवार को हुए हादसा बैंकॉक के बाहरी इलाके में हुआ, जहां एक निमार्णाधीन सड़क पर क्रेन गिर गई, जिसकी चपेट में कई लोग आ गए। अग्निशमन और राहत विभाग के सोशल मीडिया पेज पर साझा पोस्ट में बताया गया है कि हादसे में फिलहाल कम से कम एक व्यक्ति की मौत हुई है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दो लोग मारे गए हैं। हालांकि आधिकारिक तौर पर हताहतों की संख्या सामने नहीं आई है। क्रेन की चपेट में आकर दो वाहन भी तबाह हो गए हैं। राहत और बचाव कार्य अभी जारी है। जिस सड़क पर हादसा हुआ, वह रामा-2 हाइवे का विस्तार है। इस सड़क के निर्माण में कई हादसे हो चुके हैं।

पालक पनीर की खुशबू पर विवाद, अमेरिकी यूनिवर्सिटी के खिलाफ भारतीय छात्रों की जीत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की एक यूनिवर्सिटी में पालक पनीर की खुशबू से शुरू हुआ विवाद अब भेदभाव के खिलाफ बड़ी कानूनी जीत बन गया। दो भारतीय छात्रों ने नस्लीय उत्पीड़न और प्रतिशोध के आरोप लगाए, जिसके बाद उन्हें 1.8 करोड़ रुपये का समझौता मिला। आइए इस पूरे मामले को आसान भाषा में समझते हैं। अमेरिका में पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों के साथ भेदभाव का एक मामला अब अंतरराष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। भारतीय पीएचडी छात्र आदित्य प्रकाश और उर्मि भट्टाचार्य ने अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो बोल्डर के खिलाफ नस्लीय भेदभाव और प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए कानूनी लड़ाई लड़ी। यह मामला एक साधारण से दिखने वाले लंच विवाद से शुरू हुआ, लेकिन आखिरकार 1.8 करोड़ रुपये के नागरिक अधिकार समझौते पर जाकर खत्म हुआ। यह पूरा मामला सितंबर 2023 का है, जब आदित्य प्रकाश ने यूनिवर्सिटी के विभागीय किचन में माइक्रोवेव में अपना खाना गर्म किया। बताया गया कि उस दिन उनके खाने में पालक पनीर था। इसी दौरान एक स्टाफ सदस्य ने कथित तौर पर खाने की खुशबू को लेकर शिकायत करते हुए उनसे माइक्रोवेव का इस्तेमाल न करने

को कहा। आदित्य ने जवाब दिया कि यह सिर्फ खाना है, वह उसे गर्म कर रहे हैं और तुरंत चले जाएंगे। यहीं से विवाद ने तूल पकड़ लिया। भेदभाव और प्रतिशोध के आरोप आदित्य और उर्मि का कहना है कि इस घटना के बाद हालात तेजी से बिगड़ते चले गए। आदित्य को बार-बार वरिष्ठ फैकल्टी के सामने बुलाया गया और कहा गया कि उनकी वजह से स्टाफ असुरक्षित महसूस कर रहा है। वहीं उर्मि भट्टाचार्य को बिना किसी स्पष्ट कारण के अपनी टीचिंग असिस्टेंट की नौकरी से हटा दिया गया। उर्मि का आरोप है कि उन्हें दो दिन लगातार भारतीय खाना खाने के बाद दंगा भड़काने जैसे गंभीर आरोपों का सामना करना पड़ा। किचन नियमों पर भी उठे सवाल छात्रों ने अपने मुकदमे में यह भी कहा कि विभागीय किचन के नियम खासतौर पर दक्षिण एशियाई समुदाय को निशाना बनाते हैं। उनका दावा था कि इन नियमों के कारण भारतीय और अन्य एशियाई छात्रों को साझा जगहों पर अपना खाना खोलने से हतोत्साहित किया जाता है। यह रवैया सीधे तौर पर नस्लीय भेदभाव की श्रेणी में आता है। कानूनी लड़ाई और समझौते के अहम बिंदु दो साल तक चली इस कानूनी लड़ाई के बाद सितंबर 2025 में यूनिवर्सिटी ने समझौते पर सहमति जताई। दोनों छात्रों को कुल 1.8 करोड़ रुपये (दो लाख डॉलर) का भुगतान किया गया। आदित्य और उर्मि को मास्टर डिग्री प्रदान की गई। हालांकि, उन्हें भविष्य में यूनिवर्सिटी में पढ़ाई या नौकरी से वंचित कर दिया गया। यूनिवर्सिटी ने किसी भी तरह की कानूनी जिम्मेदारी स्वीकार नहीं की। भारत वापसी और सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया समझौते के बाद यह दंपत्ती भारत लौट आया। उर्मि भट्टाचार्य ने इंस्टाग्राम पर अपनी पीड़ा साझा करते हुए लिखा कि यह लड़ाई सिर्फ खाने की आजादी की नहीं थी, बल्कि सम्मान और आत्मसम्मान की भी थी। उन्होंने कहा कि इस दौरान उन्हें मानसिक और शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ा, लेकिन वह अन्याय के सामने झुकने वाली नहीं हैं।

'ग्रीनलैंड पर ट्रंप के साथ...', रुबियो-वेंस संग बैठक के बाद डेनमार्क के विदेश मंत्री का बड़ा बयान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन ने मंगलवार को कहा था कि अगर हमें अभी और यहीं अमेरिका और डेनमार्क के बीच किसी को चुनना पड़े, तो हम डेनमार्क को चुनेंगे। हम नाटो को चुनेंगे। हम डेनमार्क साम्राज्य को चुनेंगे। हम यूरोपीय संघ को चुनेंगे। ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों के बीच डेनमार्क और ग्रीनलैंड के अधिकारियों अमेरिका के दो शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद शीर्ष डेनिश अधिकारी ने बुधवार को कहा कि वॉशिंगटन में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ हुई बातचीत के बाद भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ ग्रीनलैंड को लेकर 'मौलिक असहमति' बनी हुई है। हालांकि, दोनों पक्ष मतभेदों को दूर करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए एक कार्य समूह बनाने पर सहमत हुए, क्योंकि ट्रंप लगातार डेनमार्क के आर्कटिक क्षेत्र

ग्रीनलैंड पर अमेरिका के कब्जे की मांग कर रहे हैं। 'डेनमार्क की सीमा रेखाओं का सम्मान करें' :विदेश मंत्री रासमुसेन डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने एक बहुप्रतीक्षित बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, 'हमारे विचार में समूह को अमेरिकी सुरक्षा चिंताओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, साथ ही डेनमार्क साम्राज्य की सीमा रेखाओं का भी सम्मान करना चाहिए।' इस बैठक में ग्रीनलैंड के विदेश मंत्री ने भी हिस्सा लिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप यह तर्क देने की कोशिश कर रहे हैं कि नाटो को दुनिया के सबसे बड़े द्वीप को हासिल करने में अमेरिका की मदद करनी चाहिए और उनका कहना है कि अमेरिकी नियंत्रण के अलावा कुछ भी अस्वीकार्य है। डेनमार्क क्यों बढ़ा रहा ग्रीनलैंड में नाटो के सैनिक? वहीं, डेनमार्क ने आर्कटिक और उत्तरी अटलांटिक में देश की सैन्य उपस्थिति बढ़ाने की योजना की घोषणा की है, क्योंकि ट्रंप बार-बार यह दावा करके विशाल क्षेत्र पर अमेरिकी कब्जे के अपने आान को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं कि चीन और रूस की ग्रीनलैंड पर अपनी नजरें हैं।

ईरान ने तनाव के बीच एयरस्पेस किया बंद; एअर इंडिया ने उड़ानों के रूट बदले

जारी की गाइडलाइन

ईरान (एजेंसी)। ईरान में जारी तनाव के बीच वहां की सरकार ने अपने एयरस्पेस को कुछ समय के लिए बंद कर दिया है। जिसके बाद उड़ानों के रूट बदले गए हैं। एअर इंडिया ने बयान जारी कर यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। विरोध प्रदर्शनों और तनाव के चलते ईरान में एयरस्पेस बंद कर दिया गया है। जिसके बाद एअर इंडिया ने अपनी उड़ानों के रूट में बदलाव किया है। एअर इंडिया ने एक बयान जारी कर बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए एअर इंडिया ने ईरान की बजाय अन्य वैकल्पिक रूट का इस्तेमाल करेगी, जिसके चलते कई उड़ानों के रूट बदले गए हैं। जिन उड़ानों के रूट बदलना संभव नहीं हो पाया है, उन्हें रद्द कर दिया गया है। यही वजह है कि एअर इंडिया ने यात्रियों के लिए गाइडलाइन जारी कर कहा है, 'यात्री एयरपोर्ट पहुंचने से पहले हमारी वेबसाइट पर अपनी उड़ानों का स्टेटस चेक कर लें, ताकि उन्हें परेशान न होना पड़े।' ईरान ने कमर्शियल विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद करने का आदेश और बढ़ाया

ईरान ने गुरुवार सुबह बिना किसी स्पष्टीकरण के कमर्शियल विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद करने का आदेश और बढ़ा दिया, क्योंकि देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर तेहरान की कड़ी कार्रवाई को लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ ईरान का तनाव बना हुआ है। पिछले आदेश में एयरस्पेस को सिर्फ करीब दो घंटे के समय के लिए बंद किया गया था। अब एक नोटिस में कहा गया कि एयरस्पेस स्थानीय समय के अनुसार सुबह 7.30 बजे तक रहने का अनुमान है। ईरानी सरकार ने अपने एयरस्पेस को बंद करने के फैसले का कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। ईरान ने अमेरिका और इस्राइल को दी धमकी ईरानी अधिकारियों ने बुधवार को संकेत दिया कि देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों में हिरासत में लिए गए संदिग्धों के लिए जल्द ही सुनवाई और फांसी की सजा होगी। साथ ही ईरान ने धमकी दी कि अगर अमेरिका या इस्राइल उनके घरेलू मामले में हस्तक्षेप करते हैं तो वह जवाबी कार्रवाई करेगा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।